लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

मंगलवार, 23 सितम्बर, 2025
वर्ष : 11 । अंक: 74
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

कोई_अनजान नहीं होता,अपनी बेरूखी और खताओं से बस... हौसला नहीं होता,खुद की नजरों में खुद को कटघरे में लाने का!

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi
NIGHT 27° Low

संक्षेप

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के महाभियोग मामले में लोकसभा अध्यक्ष ने 2 वकीलों को नियुक्त किया

नईदिल्ली। दिल्ली स्थित सरकारी आवास से बेहिसाब नकदी मिलने के मामले में फंसे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग मामले में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 2 वकीलों को नियुक्त किया है। दोनों वकील महाभियोग मामले में संसद की ओर से जांच के लिए गठित 3 सदस्यीय समिति की सहायता करेंगे। अधिवक्ता रोहन सिंह और समीक्षा दुआ को समिति की सहायता के लिए औपचारिक रूप से सलाहकार नियुक्त किया गया है। पिछले महीने संसद के मानसून सत्र के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव को स्वीकार किया था। इसके बाद उन्होंने 12 अगस्त को महाभियोग मामले में जांच के लिए 3 सदस्यीय समिति का गठन किया था। बिरला द्वारा नियुक्त दोनों वकील उन आधारों का आकलन करेंगे, जिससे न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग को पारित करके उन्हें पद से हटाया जा सके। लोकसभा में महाभियोग प्रस्ताव पर 146 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सांसद शामिल हैं। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ने 3 सदस्यीय पैनल में गठित किया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, मद्रास हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनिंदर मोहन और वरिष्ठ अधिवक्ता बीवी आचार्य शामिल हैं। समिति साक्ष्य मांग सकती है, गवाहों से बहस कर सकती है। इसके बाद समिति अपनी रिपोर्ट अध्यक्ष को सौंपेगी, जिसे सदन में पेश किया जाएगा। दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीश रहते न्यायमूर्ति वर्मा के सरकारी आवास के स्टोर रूम में 14 मार्च आग लगी थी। वर्मा की अनुपस्थिति में उनके परिवार ने अग्निशमन-पुलिस को बुलाया। आग बुझाने के बाद टीम को घर से भारी मात्रा में नकदी मिली। इसकी जानकारी तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना को हुई तो उन्होंने कॉलेजियम बैठक बुलाकर न्यायमूर्ति वर्मा का स्थानांतरण इलाहाबाद हाई कोर्ट कर दिया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने जांच समिति गठित की, जिसने न्यायमूर्ति वर्मा को दोषी ठहराया।

बिहार में छठ पूजा के बाद होंगे विधानसभा चुनाव, मुख्य चुनाव आयुक्त दौरा 30 सितंबर को

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार 30 सितंबर को पटना पहुंचेंगे। इस दौरान उनके साथ अन्य चुनाव आयुक्त भी होंगे। इसी बीच चुनाव आयोग मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की अंतिम सूची भी जारी कर देगा, जिस पर अभी काम चल रहा है। बिहार में दौरा और तैयारियों का जायजा लेने के एक से दो दिन बाद चुनाव की घोषणा हो सकती है। इस बार दिवाली और छठ पूजा 18 अक्टूबर से लेकर 28 अक्टूबर के बीच होगी। ऐसे में मतदान इसके बाद ही रखने की संभावना है। बिहार में वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है। चुनाव आयोग इस तिथि से पहले चुनाव प्रक्रिया पूरी करने की कोशिश में जुटा है। संभावना है कि 5 से 15 नवंबर के बीच 3 चरणों में चुनाव प्रक्रिया संपन्न

'नागरिक देवो भव:, हमारा मंत्र', अरुणाचल में बोले पीएम मोदी, जिन्हें कांग्रेस ने नहीं पूछा, उन्हें पूजता हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ईटानगर में भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने 5100 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि अरुणाचल की मेरी यात्रा विशेष बन गई है। नवरात्रि के पहले दिन, मुझे इतने खूबसूरत पहाड़ देखने को मिले... आज अगली पीढ़ी के GST सुधार लागू हो गए हैं। GST बचत उत्सव शुरू हो गया है। अरुणाचल को बिजली, स्वास्थ्य, पर्यटन और कई अन्य क्षेत्रों की परियोजनाएँ दी गई हैं।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि अरुणाचल की यह भूमि उगते सूर्य की धरती के साथ देशभक्ति के उफान की भी धरती है। जैसे तिरंगे का पहला रंग केसरिया है, वैसे ही अरुणाचल का पहला रंग भी केसरिया है। यहां का हर व्यक्ति शौर्य और शांति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज देश में अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार लागू हुए हैं। GST बचत उत्सव की शुरुआत हुई है। त्योहारों के इस मौसम में जनता जनार्दन को यह डबल बोनस मिला है। उन्होंने कहा कि हमारे अरुणाचल प्रदेश में वैसे तो सूर्य की किरण सबसे पहले आती हैं, लेकिन दुर्भाग्य से यहां विकास की किरण आते-आते कई दशक लग गए।

मोदी ने कहा कि मैं 2014 से पहले भी यहां कई बार आया हूं, आपके बीच रहा हूं। अरुणाचल को प्रकृति ने इतना कुछ दिया है, ये धरती, यहां के परिश्रमी लोग, यहां का सामर्थ्य, यहां इतना कुछ है। लेकिन जो लोग दिल्ली में बैठकर देश चला रहे थे, उन्होंने अरुणाचल को हमेशा नजरअंदाज किया। विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस जैसे लोग सोचते थे, यहां इतने कम लोग हैं, लोकसभा की सिर्फ दो ही सीटें हैं, तो क्यों अरुणाचल पर ध्यान दिया जाए। कांग्रेस की सोच से अरुणाचल को, पूरे नॉर्थ ईस्ट को बहुत नुकसान हुआ। हमारा पूरा नॉर्थ ईस्ट विकास में पीछे छूट गया।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2014 में जब आपने मुझे सेवा का मौका दिया, तब मैंने कांग्रेस की सोच से देश को मुक्ति दिलाने की ठान ली। हमारी प्रेरणा किसी राज्य में वोटों और सीटों की संख्या नहीं, Nation First की भावना है। हमारा एक ही मंत्र है, 'नागरिक देवो भव:'। उन्होंने कहा कि देश में जो टैक्स इकट्ठा होता है, उसका एक हिस्सा राज्यों को मिलता है। जब कांग्रेस की सरकार थी तब अरुणाचल प्रदेश को 10 साल में सेंट्रल टैक्स में से सिर्फ 6,000 करोड़ रुपये ही मिले थे। जबकि भाजपा सरकार के 10 वर्षों में अरुणाचल को एक लाख करोड़ रुपये से अधिक मिल चुके हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान, कोई भी मंत्री पूर्वोत्तर का दौरा मुश्किल से ही करता था, और वो भी हर 2-3 महीने में एक बार। हमारी सरकार के दौरान, केंद्रीय मंत्री 800 से ज़्यादा बार पूर्वोत्तर का दौरा कर चुके हैं... जब हमारे मंत्री आते हैं, तो वे दूर-दराज के ज़िलों और गाँवों तक जाने की कोशिश करते हैं... प्रधानमंत्री के तौर पर, मैं 70 से ज़्यादा बार पूर्वोत्तर आ चुका हूँ... नॉर्थ ईस्ट मुझे दिल से पसंद है, और इसलिए हमने दिल की दूरी मिटाई है और दिल्ली को आपके पास लेकर आए हैं।

मोदी ने कहा कि हम आठ पूर्वोत्तर राज्यों की पूजा 'अष्टलक्ष्मी' के रूप में करते हैं। उन्होंने कहा कि जिन्हें कांग्रेस ने नहीं पूछा, उन्हें पूजता हूं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मुश्किल काम को कांग्रेस हाथ नहीं लगाती। कांग्रेस की एक पुरानी आदत है कि विकास का जो भी काम मुश्किल होता है, उस काम को वह कभी हाथ ही नहीं लगाती। कांग्रेस की इस आदत से नॉर्थ ईस्ट को बहुत नुकसान हुआ। जहां विकास कार्य करना चुनौती होता था, उसे कांग्रेस पिछड़ा घोषित कर भूल जाती थी। जो सीमा से सटे गांव थे, उन्हें लास्ट विलेज कहकर पल्ला झाड़ लेती थी। यही कारण है कि सीमावर्ती क्षेत्रों से लोगों का पलायन होता गया।

केजरीवाल का पीएम पर तीखा तंज : क्या आप खुद छोड़ेंगे विदेशी सामान?

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन के बाद उन पर तंज कसा और कहा कि जनता से बात करने से पहले उन्हें स्वदेशी का इस्तेमाल करना चाहिए। आप नेता ने एक पोस्ट शेयर करते हुए पीएम मोदी से पूछा कि क्या वह कथित तौर पर अपने द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले विदेशी सामान का इस्तेमाल छोड़ देंगे। उन्होंने लिखा, 'प्रधानमंत्री जी, आप चाहते हैं कि जनता स्वदेशी का इस्तेमाल करे। क्या आप खुद स्वदेशी का इस्तेमाल शुरू करेंगे? क्या आप उस विदेशी हवाई जहाज को छोड़ देंगे जिसमें आप रोज़ घूमते हैं? क्या आप दिन भर इस्तेमाल होने वाले सभी विदेशी सामान छोड़ देंगे?'

केजरीवाल ने भारत में काम कर रही अमेरिकी कंपनियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जनता प्रधानमंत्री से कार्रवाई की उम्मीद करती है। केजरीवाल ने आगे कहा, 'क्या आप भारत में काम कर रही चार अमेरिकी कंपनियों को बंद कर देंगे? ट्रंप हर दिन भारत और भारतीयों का अपमान कर रहे हैं। क्या आप भी कुछ नहीं करेंगे? लोग अपने प्रधानमंत्री से कार्रवाई की उम्मीद करते हैं, उपदेशों की नहीं।'

जीएसटी सुधारों से मिलेगी अर्थव्यवस्था को नई गति, बढ़ेगा रोजगार, सीएम योगी का दावा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अगली पीढ़ी के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों के कार्यान्वयन की सराहना करते हुए इसे देश के लिए त्योहारों का तोहफा बताया। सीएम योगी ने कहा कि आज शारदीय नवरात्रि का पहला दिन है। और इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी में सबसे बड़ा सुधार करके पूरे देश को तोहफा दिया... जीवन रक्षक दवाओं को जीएसटी से मुक्त कर दिया गया है। अन्य सभी दवाओं पर जीएसटी घटाकर 5% कर दिया गया है... किसानों के लिए जीएसटी घटाकर 5% या 0% कर दिया गया

है। छात्रों की स्टेशनरी पर भी जीएसटी घटाकर 0% कर दिया गया है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी और आम उपभोक्ता त्योहारों को बड़े उत्साह से मनाएगा।

योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा, 'जब खपत बढ़ेगी, तो उत्पादन भी बढ़ेगा और नए रोजगार भी सृजित होंगे... हमने उपभोक्ताओं, व्यापारियों और अन्य लोगों से संवाद स्थापित किया और जागरूकता अभियान चलाए, और हर जगह एक ही नारा गूंज रहा है - 'घटती जीएसटी, मिला उपहार, धन्यवाद मोदी सरकार'। हर नागरिक और उपभोक्ता अपने त्योहार मना रहे हैं, प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त कर रहे हैं...' इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को देश भर में लागू हुए अगली पीढ़ी के वस्तु एवं सेवा कर सुधारों की सराहना की और इसे त्योहारों के मौसम में लोगों को दिया गया दोहरा तोहफा बताया। ईटानगर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज से अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार लागू हो गए हैं और जीएसटी बचत उत्सव शुरू हो गया है। त्योहारों के अवसर पर लोगों को दोहरा तोहफा मिला है।' इस कार्यक्रम के दौरान, पीएम मोदी ने 5,100 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के सियोम उप-बेसिन में विकसित होने वाली हीओ जल विद्युत परियोजना (240 मेगावाट) और टाटो-I जल विद्युत परियोजना (186 मेगावाट) की आधारशिला रखी। उन्होंने तवांग में एक अत्याधुनिक कन्वेंशन सेंटर और 1,290 करोड़ रुपये से अधिक की कई प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी, जो कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, अग्नि सुरक्षा और कामकाजी महिलाओं के छात्रावासों सहित विभिन्न क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करेंगी। इस महीने की शुरुआत में जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक के दौरान वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ढांचे में सुधार को मंजूरी दी गई थी।

कश्मीर में सटीक खुफिया जानकारी के लिए सुरक्षाबलों को गुज्जर-बकरवालों का भरोसा फिर से जीतना होगा!

जम्मू। आतंकवादी समूहों की ओर से अब रणनीति में बदलाव करते हुए ऊंची चोटियों को सुरक्षित पनाहगाह के रूप में इस्तेमाल किये जाने के बीच विशेषज्ञों का मानना है कि सुरक्षा बलों, विशेषकर सेना के लिए अब समय आ गया है कि वह अपनी रणनीति की समीक्षा करें और गुज्जर तथा बकरवाल खानाबदोश जनजातियों का विश्वास फिर से हासिल करें। इन जनजातियों के बारे में माना जाता है कि ये पहाड़ों की "आंख और कान" हैं। अधिकारियों और विशेषज्ञों का मानना है कि सुरक्षा बलों और दोनों समुदायों के बीच अविश्वास बढ़ रहा है जिससे सीमा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी जुटाने में खतरा पैदा हो सकता है।

हम आपको बता दें कि पुंछ-राजौरी के बीहड़ पीर पंजाल क्षेत्र की गहन जानकारी और अटूट निष्ठा के चलते, लगभग 23 लाख की आबादी वाले गुज्जर और बकरवाल समुदाय दशकों से सेना के महत्वपूर्ण सहयोगी रहे हैं— जो आतंकवाद को पीछे धकेलने में अहम साबित हुए हैं। साझा बलिदान से मजबूत हुई इस दोस्ती ने जनजातियों को लगातार आतंकवादी हमलों का डटकर सामना करते देखा है। उनकी देशभक्ति की झलक रुखसाना कौसर की वीरता की कहानियों में साफ दिखाई देती है, जिन्होंने 2009 में लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकवादी को मार गिराया था, और राइफलमैन औरंगजेब, जिन्हें 2018 में आतंकवादियों ने अगवा कर उनकी हत्या कर दी थी और जिन्हें मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया था।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कई घटनाओं ने इस गठबंधन को टूटने के कगार पर ला खड़ा किया और दशकों से चले आ रहे विश्वास को कमजोर कर दिया। इनमें 2018 का कठुआ बलात्कार मामला और 2020 का अमशीपोरा फर्जी मुठभेड़ मामला शामिल है, जिसमें तीन गुज्जर युवकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सेना ने हालांकि अमशीपोरा मामले में एक कैप्टन को बर्खास्त करने जैसी कार्रवाई की, लेकिन समुदाय का कहना है कि ऐसी चीजें कभी होनी ही नहीं चाहिए थीं।

इस रिश्ते को सबसे ताजा झटका दिसंबर 2023 में लगा, जब पुंछ के टोपा पीर में सैनिकों पर घातक हमले के बाद सेना द्वारा हिरासत में प्रताड़ित किए जाने के बाद तीन नागरिकों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि इन घटनाओं ने गुज्जर और बकरवाल युवकों को अलग-थलग कर दिया है, जिससे जमीनी स्तर पर खुफिया जानकारी में खतरनाक कमी पैदा हो गई है। उन्होंने बताया कि व्यवस्थागत समस्याओं ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधात्मक नीतियों ने कई गुज्जरों और बकरवालों को उनकी खानाबदोश जीवनशैली से दूर कर दिया है, जिससे उनकी आजीविका असुरक्षित हो गई है और उन दूरदराज के इलाकों में उनकी मौजूदगी कम हो गई है जहां वे कभी महत्वपूर्ण जानकारी देते थे। उन्होंने कहा कि स्थायी संचार ढांचे की कमी उनकी प्रभावी खुफिया जानकारी देने की क्षमता को भी प्रभावित करती है, जिससे क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए वर्षों से अहम रही यह साझेदारी खतरे में पड़

नवरात्रि पर महिलाओं को बड़ी सौगात! 25 लाख नए मुफ्त उज्ज्वला एलपीजी कनेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को घोषणा की कि केंद्र सरकार नवरात्रि के अवसर पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत 25 लाख मुफ्त एलपीजी कनेक्शन वितरित करेगी। एक पोस्ट साझा करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इससे एलपीजी कनेक्शनों की कुल संख्या 10.60 करोड़ हो जाएगी। हरदीप पुरी ने लिखा कि उज्ज्वला परिवारों का विस्तार। नारी शक्ति को एक महान उपहार! नवरात्रि की शुभ शुरुआत के साथ, 25 लाख नए मुफ्त पीएम उज्ज्वला कनेक्शन का उपहार इस बात का एक और प्रमाण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी देवी दुर्गा जी की तरह महिलाओं का सम्मान करते हैं। यह निर्णय माताओं और बहनों के

सम्मान और सशक्तिकरण के हमारे संकल्प को और मजबूत करता है।

मंत्री ने बताया कि सरकार 25 लाख नए एलपीजी कनेक्शनों में से प्रत्येक पर 2050 रुपये खर्च करेगी। उन्होंने आगे कहा कि अब उज्ज्वला योजना के तहत परिवारों की संख्या बढ़कर 10.60 करोड़ हो जाएगी। भारत सरकार प्रत्येक कनेक्शन पर 2,050 रुपये खर्च करेगी, जिससे लाभार्थियों को मुफ़्त रसोई गैस सिलेंडर के साथ-साथ गैस चूल्हा, रेगुलेटर आदि भी मुफ़्त मिल सकेंगे। इस योजना के लिए प्रधानमंत्री की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि उनके निर्णयों में 'शक्ति' की भावना झलकती है।

हरदीप पुरी ने कहा कि देवी माँ की शक्ति पृथ्वी पर महिलाओं के रूप में विद्यमान है। भारतीय संस्कृति में भी महिलाओं को 'शक्ति' का अवतार माना जाता है। नवरात्रि के दौरान, हम माँ दुर्गा के नौ रूपों की पूजा करते हैं, जो नारी शक्ति के प्रतीक हैं।

अंतरिक्ष में विदेशी उपग्रह की संदिग्ध हरकत के बाद भारत सतर्क, 50 'बॉडीगार्ड सैटेलाइट' भेजने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत अब अंतरिक्ष में मौजूद अपने उपग्रहों को बाहरी खतरों से बचाने के लिए एक नई योजना पर काम कर रहा है। इस योजना का मकसद उन संभावित हमलों को रोकना है, जो दुश्मन देशों के उपग्रहों से आ सकते हैं। यह कदम इसलिए तेजी से उठाया जा रहा है, क्योंकि हाल ही में एक विदेशी उपग्रह भारत के एक उपग्रह के बेहद करीब आ गया था।

सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार ऐसे 'बॉडीगार्ड' उपग्रहों को बनाना चाहती है, जो भारतीय उपग्रहों के आसपास रहकर उन्हें खतरे से बचा सकें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को पहचान सकें। मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि 2024 के मध्य में एक पड़ोसी देश का उपग्रह

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के एक उपग्रह के महज एक किलोमीटर पास से गुजरा। यह इसरो का वो उपग्रह था, जो धरती पर निगरानी और मानचित्रण जैसे काम कर रहा था, जिनका उपयोग रक्षा क्षेत्र में भी होता है। उपग्रहों की टक्कर नहीं हुई लेकिन जानकारों का मानना है कि यह इत्तेफाक नहीं, बल्कि एक तरह का शक्ति प्रदर्शन था। यानी दूसरा देश अंतरिक्ष में अपनी ताकत का प्रदर्शन करना चाहता था। इस घटना ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अंतरिमक्ष मौजूद खतरे को उजागर कर दिया। इसरो और अंतरिक्ष विभाग ने आधिकारिक तौर पर इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

अंतरिक्ष में भेजे जाएंगे 50 निगरानी उपग्रह

उपग्रह सुरक्षा परियोजना के तहत भारत अंतरिक्ष में अपने सुरक्षा ढांचे को मजबूत करना चाहता है। इसके तहत करीब 27 हजार करोड़ रुपये की लागत से 50 निगरानी उपग्रह भेजे जाएंगे। पहला उपग्रह अगले साल लॉन्च होने की संभावना है। भारत का पड़ोसी चीन और पाकिस्तान के साथ लंबे समय से सीमा को लेकर विवाद है और इन देशों की अंतरिक्ष क्षमताएं अलग-अलग स्तर की हैं। पाकिस्तान के पास केवल आठ उपग्रह हैं, वहीं भारत के पास सौ से ज्यादा उपग्रह हैं। चीन इस मामले में सबसे आगे है, उसके पास 930 से भी ज्यादा उपग्रह हैं।

अंतरिक्ष में गतिविधियां बढ़ा रहा चीन

भारत और अमेरिका दोनों के अधिकारी पहले ही कह चुके हैं कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) अंतरिक्ष में खरतरनाक तरीके से अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है। जून में एक सेमिनार में एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने भी कहा था कि चीन की अंतरिक्ष गतिविधियां न केवल तेज हो रही हैं, बल्कि बेहद उन्नत भी हैं।

स्टार्टअप्स के साथ मिलकर हो रहा काम

भारत सरकार अब स्टार्टअप्स के साथ मिलकर ऐसे समाधान तलाश रही है, जो खतरों को समय रहते पहचान सकें। एक विचार यह भी है कि लाइट डिटेक्शन एंड रेजिंग तकनीक वाले उपग्रह छोड़े जाएं।

'सीएम रहते विरोध...अब मसीहा बन रहे', जीएसटी पर जयराम रमेश ने पीएम को घेरा, भाजपा ने भी किया पलटवार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस और भाजपा के बीच एक बार फिर जीएसटी को लेकर राजनीतिक जंग छिड़ गई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो जीएसटी का विरोध करते थे, लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने 'यू-टर्न' लेकर 2017 में खुद को इसका मसीहा घोषित कर दिया। रमेश ने दावा किया कि हालिया सुधार सीमित हैं और यह छोटे और मध्यम उद्योगों की दिक्कतें हल नहीं करते।

रमेश ने कहा कि 2006 से 2014 तक लगातार आठ साल तक केवल एक मुख्यमंत्री जीएसटी का विरोध करते रहे और वही आगे चलकर 2014 में प्रधानमंत्री बने। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने आठ साल तक कांग्रेस की मांगों को नजरअंदाज किया और अब सुधार लागू कर रही है। रमेश के मुताबिक, हालिया बदलावों में राज्यों को पांच साल के लिए क्षतिपूर्ति पैकेज देने की मांग पूरी नहीं हुई और न ही प्रक्रियागत जटिलताओं को दूर किया गया है।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि जीएसटी को जुलाई 2017 में लागू किया गया था। उस समय राहुल गांधी और कांग्रेस ने इसे 'गब्बर सिंह टैक्स' करार दिया था। रमेश ने कहा कि कांग्रेस को पहले से ही अंदेशा था कि यह नोटबंदी के बाद अर्थव्यवस्था पर दूसरा बड़ा झटका होगा। उन्होंने कहा कि जीएसटी का प्रस्ताव 2006 में तत्कालीन वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने रखा था और 2010 में इसे संसद में बिल के रूप में पेश किया गया था।

हर जरूरतमंद को दिलाएं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ, सीएम योगी ने अफसरों को दिए निर्देश

- उनकी समस्याएं सुनीं और प्रभावी निस्तारण के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र की प्रतिपदा पर शक्ति की उपासना से पहले जनसेवा की। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाकात की।

उनकी समस्याएं सुनीं और प्रभावी निस्तारण के लिए अधिकारियों को दिशानिर्देश दिए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर जरूरतमंद व्यक्ति को शासन की कल्याणकारी योजनाओं

का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।

सोमवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक सीएम योगी खुद पहुंचे और एक एक करके सबकी समस्याओं को सुनते हुए आश्वस्त किया हर समस्या का समयबद्ध, पारदर्शी व संतुष्टिपरक निस्तारण किया जाएगा।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 250 लोगों की समस्याएं सुनीं। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही। इस दौरान एक महिला ने राशन कार्ड न होने की समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत अधिकारियों को निर्देशित किया कि इनकी समस्या को संवेदनशीलता से देखें। राशन कार्ड की व्यवस्था के साथ पात्रता के अनुसार पेंशन योजना का भी लाभ दिलाएं। जमीन कब्जा करने की शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने गरीबों की जमीन पर कब्जा न होने देने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही कहा कि राजस्व व पुलिस से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई हो। सीएम योगी ने कहा कि अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखें और हर पीड़ित की समस्या का त्वरित निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भरोसा दिलाया कि पैसे के अभाव में किसी इलाज नहीं रुकने पाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस्टीमेट की प्रक्रिया को प्राथमिकता पर पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध कराएं। शासन से इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

बेटियों का नशा करना अधिक चिंताजनक, इसे छोड़ें वरना अपने बच्चों को क्या सिखाएंगी, सीसीएसयू के समारोह में बोलीं राज्यपाल

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शिक्षण संस्थानों के दीक्षा समारोह में मेधावियों को सम्मानित करने आईं कुलाधिपति और प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बेटियों के भी नशे में लिप्त होने पर गहरी चिंता व्यक्त की। कहा कि तीन दिनों की यात्रा के दौरान उन्हें मिली रिपोर्ट बेहद चिंताजनक है। युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में जकड़ती जा रही है, जबकि प्रधानमंत्री विकसित भारत बनाने में युवाओं के योगदान को सबसे अहम मान रहे हैं।

टीम की जांच में विश्वविद्यालय परिसरों में मिले नशे के प्रमाण

राज्यपाल ने कहा कि उनकी टीम को जांच में विश्वविद्यालय परिसरों में नशा अधिक देखने को मिला है जो कतई देश के भविष्य के लिए ठीक नहीं है। इस नशे के सेवन में छात्राओं के भी शामिल होने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने एक ओर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय परिसरों को नशामुक्त करने का आह्वान किया, वहीं छात्रों को नशे से दूर रहकर भविष्य बचाने का आह्वान किया है। राज्यपाल ने छात्राओं से कहा कि यदि आज खुद नशे के सामग्रियों के सेवन करेंगी तो कल खुद मां बनाने पर अपने बच्चों को क्या सिखाएंगी।

187 मेधावियों को 245 स्वर्ण पदक प्रदान किए

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के 37वें दीक्षा समारोह में 187 मेधावियों को 245 स्वर्ण पदक प्रदान करने के बाद राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय समय समय पर पूरे परिसर की जांच करें। विशेष तौर पर छात्रावासों की जांच की जाएं। नशे के सामग्री मिलने पर विद्यार्थियों को समझाएं, चेतावनी दें, चिकित्सकों को आंतरिक कर नशे के दुष्प्रभाव के बारे में बताएं और युवा पीढ़ी को नशे के सेवन न करने के लिए प्रेरित और जागरूक करें।

माता स्वस्थ होगी, तभी भविष्य स्वस्थ रहेगा

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने नवरात्रि के पहले दिन सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जब माता स्वस्थ होगी तभी देश का भविष्य स्वस्थ रहेगा। तभी देश के विकास में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अधिक सशक्त बनाने के लिए की महिलाओं को केंद्रित कर विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं जिससे 2047 के विकसित भारत में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाया जा सके।

ऑनलाइन गेमिंग में न फंसे युवा

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग का युवा पीढ़ी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। अब नए कानून से कुछ बदलाव होगा लेकिन युवाओं की इससे सतर्क रहने की जरूरत है। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय पारंपरिक खेल आज भी प्रासंगिक और लोकप्रिय हैं। भारतीय खेलों कबड्डी, गिल्ली डंडा आदि को ऑनलाइन गेमिंग में लाना चाहिए, जिससे युवा अपने खेलों से जुड़ सकें।

प्रयागराज में बड़ा हादसा, सड़क किनारे बैठे लोगों को अज्ञात वाहन ने रौंदा, चार की मौत और तीन की हालत गंभीर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। प्रयागराज में सुबह बड़ा हादसा हो गया। बोलेरो खराब होने के बाद वाहन से बाहर निकलकर हाईवे पर बैठे सात लोगों को अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। इसमें एक महिला समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन महिलाएं गभीर रूप से घायल हो गई हैं। उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। सभी लोग कानपुर के रहने वाले थे। घटना के बाद मौके पर पुलिस पहुंच गई। हादसा भोर में चार बजे हुआ। सभी लोग गया से पिंडदान करके कानपुर लौट रहे थे।

बोलेरो गाड़ी संख्या up 77 जेड 8903 से गुलौली थाना मूसानगर कानपुर देहात से गाड़ी में सवार होकर गया पिंडदान करने गए थे। वापस आते समय सोरांव थाना क्षेत्र के बिगाहियां पुल के पास वाहन खराब हो गई। हाईवे पर ही गाड़ी खड़ी करके ड्राइवर मिस्त्री के खोज में चला गया था।

वाहन में सवार सभी लोग गाड़ी से उतरकर हाईवे पर बैठे थे, तभी अज्ञात वाहन ने सभी को रौंद दिया। जिसमें मौके पर ही सुरेश सैनी, सुरेश बाजपेई व पत्नी तारा देवी तथा राम सागर अवस्थी की मौके पर ही मौत हो गई तीन महिलाएं घायल हो गईं। एक बुजुर्ग प्रेम नारायण और चालक सुरक्षित हैं। घायलों को जिला हॉस्पिटल के भर्ती किया गया है।

अद्भुत है नेपालगंज स्थित मां बागेश्वरी शक्तिपीठ की कथा... नवरात्र के पहले दिन उमड़ी भीड़

आर्यावर्त संवाददाता

रुपईडीहा (बहराइच)। नवरात्रि के प्रथम दिन नेपालगंज बांके स्थित सिद्ध पीठ बागेश्वरी मंदिर में श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की और खंडेश्वर महाराज भगवान शिव का जलाभिषेक किया। पूरे दिन मंदिर प्रांगण भक्तों से खचाखच भरा रहा।

आचार्य दयाशंकर शुक्ल ने बताया कि पौराणिक कथा के अनुसार, माता सती ने अपने पिता राजा दक्ष द्वारा भगवान शिव का अपमान सहन न कर पाने पर यज्ञ में कूदकर आत्मदाह कर लिया था। व्यथित भगवान शिव ने उनका शरीर उठाकर तांडव करना शुरू किया। ब्रह्मांड में भय का वातावरण देखकर भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से माता सती के शरीर के अंगों को अलग-अलग स्थानों पर गिराया, जहां -जहां अंग गिरे, वहां शक्तिपीठ बने।

मान्यता है कि नेपालगंज के

बागेश्वरी मंदिर में माता सती की जिह्वा (जीभ) गिरी थी, इसलिए इसे बागेश्वरी शक्ति पीठ कहा जाता है। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित इस मंदिर का महत्व सीमावर्ती क्षेत्र के लिए और भी बढ़ जाता है।

चैत्र नवरात्र और शारदीय नवरात्र के अवसर पर यहां विशेष पूजा-अर्चना और मेले का आयोजन होता है। नेपाल और भारत, दोनों देशों के श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। गर्भगृह के दर्शन के लिए भक्तों को मामूली शुल्क कमेटी को जमा करना पड़ता है, इसके बाद मंदिर के पुजारी कपाट बंद कर रुई की मोटी बत्ती जलाकर गर्भगृह में विराजमान मां बागेश्वरी के दर्शन कराते हैं। मंदिर परिसर में स्थित विशाल पीपल का वृक्ष भी आस्था का केंद्र माना जाता है।

प्रधान पर दलित की जमीन हड़पने के आरोप

सुल्तानपुर। एक दलित परिवार से जमीन हड़पने का मामला सामने आया है। कूरेभार थाना क्षेत्र के सुरजीपुर रतापुर गांव की सोनी ने गांव के प्रधान अंबुज तिवारी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। 11 सितंबर को प्रधान अंबुज तिवारी सुबह नौ बजे सोनी के घर पहुंचे। उन्होंने कहा कि सोनी के पिता की मौत के बाद जमीन की वरासत करवानी है। प्रधान की बात पर विश्वास कर सोनी ने अपने पति जयप्रकाश को उनके साथ भेज दिया। जयप्रकाश को चार पहिया वाहन में बिठाया गया। गाड़ी में गांव के गोलू, कन्हैया लाल और दो अज्ञात लोग मौजूद थे। धनपतगंज पहुंचकर आरोपियों ने जयप्रकाश को नशीला पदार्थ पिला दिया। उन्हें धमकी दी गई कि तहसील में जो कागज दिखाएं, उस पर अंगूठा लगा दें। प्रधान ने बिना पैसे दिए जयप्रकाश की सारी जमीन का फर्जी बैनामा अपने नौकर कन्हैया लाल के नाम करवा लिया। शाम को जयप्रकाश को घर के पास छोड़ दिया गया। अगली सुबह जब सोनी ने पति के हाथ में स्याही देखी, तब जयप्रकाश ने रोते हुए पूरी घटना बताई।

जमीन के लिए हैवान बना पति, पत्नी और ससुर को दी दर्दनाक मौत, दृश्य देखकर सिहर उठे लोग

आर्यावर्त संवाददाता

गोंडा। यूपी के गोंडा से सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां जमीन विवाद में सोमवार को युवक ने ससुराल जाकर पत्नी और ससुर की हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई है। मौके से केबल बरामद हुई है। यह महिला से लिपटी हुई थी। इससे आशंका है कि करंट लगाकर हत्या की गई है।

घटना परसपुर थाना क्षेत्र के राजापुर कुम्हारनपुरवा गांव की है। गांव निवासी मंगल की बेटी संगीता की शादी उमरी बेगमगंज के बक्सैला निवासी पवन के साथ हुई थी। संगीता पिता के साथ ही रहती थी। सोमवार की सुबह पवन अपनी सुसराल पहुंचा। यहां जमीन विवाद को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी होने लगी। इस पर पवन ने संगीता और मंगल को जमकर पीटा। इसके बाद मौके से फरार हो गया।

पुलिस जांच में जुटी

घटना से संगीता की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, ससुर बेहोश हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मंगल को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज भेजा। वहां उपचार के दौरान उनकी भी मौत हो गई। पुलिस जांच में महिला के शरीर में बिजली का तार लिपटा हुआ मिला। इससे करंट से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। सीओ अभिषेक दवाच्या ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

गैडा दिवस पर स्कूल में धूमधाम से हुआ वृक्षारोपण

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। मोतिगरपुर के ढेमा स्थित केआर इंटरनेशनल स्कूल परिसर में सोमवार को गैड़ा दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस मौके पर उप प्रभागीय वनाधिकारी अंजनी कुमार श्रीवास्तव एवं क्षेत्रीय वनाधिकारी मो. जायर ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पाकड़, कंजी, नीम समेत विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्रबंधक सुनील कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। पर्यावरण को संतुलित रखने तथा आने वाली पीढ़ियों को शुद्ध वायु उपलब्ध कराने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी से जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाने का संकल्प लेने की अपील की। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षकों व छात्रों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और पौधों की देखभाल करने का वचन दिया। वृक्षारोपण के माध्यम से उपस्थित लोगों ने स्वच्छ, स्वस्थ और हरित वातावरण बनाने का संदेश दिया।

'आई लव मुहम्मद' लिखे पोस्टर हटवाने पर भड़के आईएमसी नेता, इंस्पेक्टर से बोले- हाथ काट लूंगा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली में आई लव मुहम्मद लिखे बैनर पोस्टर हटवाने पर लोगों की पुलिस से तकरार हो गई। शहर के किला थाना क्षेत्र में रविवार को थाना प्रभारी सुभाष कुमार टीम के साथ पहुंचे थे। उन्होंने 'आई लव मुहम्मद' लिखे पोस्टर हटाने की बात कही, जिसका मुस्लिम समाज के लोगों ने विरोध किया। पुलिस से तकरार के बाद मौलाना तौकीर रजा खान की पार्टी इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के नेता डॉ. नफीस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो में डॉ. नफीस कह रहे हैं कि मैंने इंस्पेक्टर को कह दिया कि हाथ काट लूंगा... वर्दी उतरवा दूंगा। यह वीडियो के वायरल होने के बाद किला थाना पुलिस ने डॉ. नफीस के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

प्रेमनगर: इंस्टाग्राम पर भड़काऊ पोस्ट करने का आरोप

प्रेमनगर थाना क्षेत्र के सुर्खा चौधरी तालाब निवासी सलीम रजा ने प्रेमनगर थाने में रिपोर्ट कराई है कि उनके बेटे रिहान घोसी की इंस्टाग्राम आईडी पर श्यामपाल नाम के व्यक्ति ने आपत्तिजनक और भड़काऊ पोस्ट भेजी। इससे मुस्लिम समाज की आस्था को ठेस पहुंची है।

आरोप है कि उसने 21 सितंबर को फोन कॉल कर गालियां दीं। आरोपी ने समाज में नफरत फैलाने की कोशिश की। सलीम रजा का कहना है कि श्यामपाल की हरकतें शहर का माहौल खराब करने और समाज में वैमनस्य फैलाने की कोशिश है। प्रेमनगर थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मामले की जांच शुरू कर दी है।

माफिया रात में कर रहे बड़ा खेल, सफेदपोश और अधिकारी मूंद लेते हैं आंखें, हैरान कर देगी हापुड़ की ये रिपोर्ट

आर्यावर्त संवाददाता

हापुड़। हापुड़ जिले में अवैध खनन का धंधा तेजी से फैल रहा है। यह न सिर्फ सरकारी राजस्व को चूना लगा रहा है बल्कि पर्यावरण को भी तबाह कर रहा है।गढ़मुक्तेश्वर तहसील क्षेत्र, जो गंगा की तलहटी से घिरा हुआ है, खनन माफिया का सुरक्षित ठिकाना बन चुका है। यहां रात के अंधेरे में बुलडोजर व पोकलेन मशीनें धरती का सीना चीर रही हैं। डंपर मिट्टी और रेत लादकर भाग रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, यह खेल सफेदपोश व जिम्मेदारों की मिलीभगत से चल रहा है।

गढ़मुक्तेश्वर, जो तीर्थ नगरी के रूप में जाना जाता है, अब खनन माफियाओं का स्वर्ग बन चुका है। यहां गांव रझैटी, हसूपुर, सलौनी, पलवाड़ा, चित्तौड़ा, अल्लाबख्शपुर समेत अन्य गांवों में अवैध खनन जोरों

पर है। माफिया ठेकेदारों को अवैध ठेके देते हैं, जो बुलडोजर और पोकलेन मशीन से मिट्टी-रेत निकालकर ठिकानों पर पहुंचाते हैं। बताया गया कि रात के समय यह खेल चरम पर होता है, जब पुलिस की गश्त कम होती है। 16 सितंबर को सदर एसडीएम इला प्रकाश ने मतनौरा जंगल में छापा मारकर मिट्टी से भरे तीन डंपर पकड़े, लेकिन माफिया मौके से फरार हो गए। यह घटना दर्शाती है कि यह धंधा चल रहा है।

खनन को लेकर वर्चस्व की लड़ाई

एक दिलचस्प बात यह भी है कि माफिया गुटों में वर्चस्व की लड़ाई भी चल रही है। कुछ गुट सफेदपोश के करीबी, रिश्तेदार और परिचितों द्वारा संचालित हैं, जो चुनावी मदद या सीधा लाभ पहुंचाते हैं। जून 2025 में एक भाजपा नेता पर अवैध खनन में लिप्त होने और ग्रामीणों से अभद्रता करने का आरोप लगा। वहीं, घटना के दौरान गांव वालों ने उन्हें दौड़ाकर पीटा। इसी तरह, मेरठ के एक ठेकेदार ने आरोप लगाया कि गढ़मुक्तेश्वर में उसकी पोकलेन मशीन जबरन कब्जा कर अवैध खनन में इस्तेमाल की गई।

> निरंतर खनन माफिया के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। मिट्टी के कई डंपर सीज किए गए हैं। आगे भी कार्रवाई होगी। - **प्रशांत कुमार, खनन अधिकारी**
> अवैध खनन की सूचना पर सक्षम अधिकारी के साथ पुलिस बल भेजकर कार्रवाई की जाती है। मिलीभगत की जांच होगी, दोषियों पर कार्रवाई तय होगी। - **ज्ञानंजय सिंह, एसपी**

फैला हुआ है रिश्वत का जाल

इस कारोबार का सबसे चौंकाने वाला पहलू रिश्वत का सिस्टम है। माफिया हर महीने चौकी, थानों और संबंधित अधिकारियों के दफ्तरों तक रिश्वत पहुंचाते हैं। पिकेट से लेकर अधिकारी तक, सबकी जेबें गर्म होती हैं। इससे जिम्मेदार न सिर्फ आंखें मूंद लेते है बल्कि खनन मार्गों की सुरक्षा भी करते हैं। चौकी से लेकर थाने के सामने से बेधड़क गुजरते मिट्टी से भरे वाहन इस गठजोड़ का सबूत हैं।

कार्रवाई दिखावा या असली इरादा

पिछले कुछ दिनों में प्रशासन ने कुछ कदम उठाए हैं, जो शायद दबाव के कारण हैं। 16 सितंबर को एसडीएम के छापे में तीन डंपर पकड़े गए। चार दिन पहले गढ़मुक्तेश्वर में दो डंपर और एक बुलडोजर सीज किया गया। गंगा तलहटी में रेत खनन करती दस बुग्गियां पकड़ी गईं। मगर, किसी भी खनन माफिया पर कार्रवाई नहीं की गई।

धर्म परिवर्तन की गतिविधि का भंड़ाफोड़, आरोपी भेजे गये जेल

जयसिंहपुर/ सुल्तानपुर। कोतवाली क्षेत्र के बगिया गांव में धर्म परिवर्तन का मामला सामने आया है। कोर्ट ने आरोपी तुलसीराम को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

आरएसएस के जयसिंहपुर धर्म जागरण प्रमुख सुरेंद्र यादव को रविवार को सूचना मिली। बगिया गांव चौराहे के बरौसा रोड पर एक कपड़े की दुकान में धर्म परिवर्तन की गतिविधियां चल रही थीं। सुरेंद्र यादव अपने दो साथियों संतोष और आशीष के साथ मौके पर पहुंचे। दुकान पर कई महिलाएं मौजूद थीं। उनके हाथों में ईसाई धर्म से जुड़ी पुस्तकें थीं। दुकान के मालिक तुलसीराम, जो सैती पुरुषोत्तमपुर का रहने वाला है, लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा था। सुरेंद्र के विरोध करने पर तुलसीराम ने अपने साथियों के साथ उन्हें जान से मारने की धमकी दी। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस के पहुंचने पर दुकान में मौजूद लोग भाग गए।

वायु सेना से पर्वत तक अपना पराक्रम दिखाने के बाद अब महिलाओं में ला रही जागृति

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। पूर्व वायु सेना अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर डा. तूलिका रानी की साहस भरी कहानी महिलाओं के लिए प्रेरणादायी है। वर्तमान में वो डीएसएन कालेज में इतिहास विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। माउंट एवरेस्ट पर सफल आरोहण करने वाली प्रदेश की पहली महिला पर्वतारोही हैं। इसी के साथ वो एशिया के सर्वोच्च ज्वालामुखी पर तिरंगा फहराने वाली प्रथम भारतीय महिला हैं। वायु सेना से पर्वत तक अपना पराक्रम दिखाने के बाद अब महिलाओं में समाज में फैली विकृतियों से लड़ कर निखरने का जोश भर रही हैं। तूलिका डीएसएन कालेज में पढ़ाने के साथ ही अपने प्रेरणादाई वक्तव्य, और पुस्तकों को इसका माध्यम बनाती हैं। छात्राओं को सपनों का असमान छूने के लिए कुछ अलग तरह से प्रेरित करती हैं। उनमें शिक्षा, अथक परिश्रम एवं दृढ़ इच्छाशक्ति द्वारा कुछ कर गुजरने के लिए संघर्ष का जज्बा भरती हैं। इस काम में उनकी प्रकाशित आठ पुस्तकें भी शामिल होती हैं।हाल ही में उन्हें नई दिल्ली स्थित भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा उत्तर प्रदेश की थारू जनजाति की महिलाओं पर शोध परियोजना के लिए चयनित किया गया है। स्क्वाड्रन लीडर (डॉ) तूलिका रानी वर्ष 2023 में उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार की ळ-20 ब्रांड एंबेसडर रह चुकी हैं। उन्हें लखनऊ प्रशासन ने 2022 तथा 2024 में क्रमशः विधान सभा चुनावों एवं लोक सभा चुनाव में चुनाव आयोग के वोटर जागरूकता अभियान स्वीप की ब्रांड एंबेसडर तथा डिस्ट्रिक आइकन भी नियुक्त किया था।वह भारत, नेपाल, भूटान, ईरान,अफ्रीका, रूस आदि देशों में 26 पर्वतारोहण एवं ट्रैकिंग अभियान कर देश का गौरव बढ़ा चुकी हैं।

मिशन शक्ति: एक दिन की प्रशासनिक अधिकारी बनेंगी बेटियां, 23 से 30 सितंबर तक होंगे विभिन्न आयोजन

30 सितंबर तक होंगी यह गतिविधियां

- 23 सितंबर को छात्राओं बनेंगी एक दिन की अधिकारी
- 24 सितंबर को मीना दिवस का आयोजन, निडर फिल्म दिखाएंगे
- 25 सितंबर को केजीबीवी की बालिकाओं का बैंक भ्रमण व जागरूकता
- 26 सितंबर को विद्यालयों में ख्याति प्राप्त महिलाओं से संवाद, आत्मरक्षा प्रशिक्षण
- 27 सितंबर को थाना भ्रमण, साइबर क्राइम तथा हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी
- 28 सितंबर को बाल विवाह, महिला योजनाएं, सामाजिक मुद्दों पर नुक्कड़ नाटक
- 29 सितंबर को बालिका अधिकार, इसके लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी
- 30 सितंबर को सरकारी अस्पतालों में भ्रमण, स्वास्थ्य जांच और जनजागरूकता

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए मिशन शक्ति 5.0 की व्यापक स्तर पर शुरुआत हुई है। सोमवार को भी प्रदेश भर के परिषदीय विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। वहीं कल 23 सितंबर को बेटियां विभिन्न विभागों में एक दिन के लिए प्रशासनिक अधिकारी बनकर भी कामकाज संभालेंगी।

सोमवार को विद्यालयों में बेटियों ने रैली निकाली और नुक्कड़ नाटक से महिला सुरक्षा, शिक्षा और समाज में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का संदेश दिया। प्रदेश भर के परिषदीय व कस्तूरबा विद्यालयों में बालिकाओं ने बाल अधिकारों की जागरूकता का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर मां दुर्गा के नवरूपों पर आधारित नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया। दूसरी तरफ बालिकाओं को रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण भी दिया गया।

मां दुर्गा के नौ स्वरूपों पर आधारित पोस्टर बनाकर अपनी प्रतिभा दिखाई। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कहा कि मिशन शक्ति 5.0 अभियान, बालिकाओं को शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित करने का संकल्प है। हर बालिका की प्रतिभा और आत्मविश्वास को निखारना हमारा प्राथमिक कर्तव्य है। इसके तहत प्रदेश भर में विद्यालयों में विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं।

बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि शिक्षा देने के साथ हर बालिका को सशक्त, जागरूक और समाज का नेतृत्व करने योग्य बनाना हमारी सरकार का लक्ष्य है। हम इस दिशा में लगातार प्रयास किया जा रहा है। मिशन शक्ति 5.0 इसी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

नगराम में युवक की हत्या का खुलासा: पत्नी, मामा और साथी गिरफ्तार

लखनऊ। कमिश्नरेट लखनऊ की नगराम पुलिस और दक्षिणी जोन की सर्विलांस टीम ने एक ब्लाइंड मर्डर केस का सफल खुलासा करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मृतक का रिश्ते का मामा, उसकी पत्नी और एक अन्य व्यक्ति शामिल हैं। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल गमछा और घटना में इस्तेमाल मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है।घटना 19 सितंबर को थाना नगराम क्षेत्र के सलेमपुर के पास हुई थी। वहां नाले में एक युवक का शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुँची और शव को बाहर निकलवाकर पंचायतनामा की कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम हेतु भेजा। मृतक की पहचान छतौनी गांव निवासी 35 वर्षीय रामफेर पुत्र स्व. रामेश्वर के रूप में हुई। मृतक के भाई सुरेश चंद्र की तहरीर पर थाना नगराम में मुकदमा पंजीकृत किया गया। पुलिस ने मामले की गुत्थी सुलझाने के लिए विशेष टीम बनाई जिसमें सर्विलांस सेल दक्षिणी जोन को भी लगाया गया।

संक्षेप

गार्ड जाति सूचक गालियां देने के साथ पीटते रहे महिला को होने वाले सासुर ने दी तहरीर पुलिस ने नही दर्ज की एफआईआर

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में बीते 19/ 20 सितंबर की रात फीनिक्स प्लासियो मॉल में हुई मारपीट के मामले में सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस ने बर्बरता से एक महिला डॉक्टर समेत चार लोगों की पिटाई के मामले में एक पक्षीय कार्यवाई करते हुए महिला डॉक्टर समेत चारो लोगो के फायरिंग करने के आरोप में जेल भेज दिया। जब गार्ड व बाउंसरों का महिला डॉक्टर व अन्य तीन आरोपित की पिटाई का वीडियो वायरल हुआ तो पुलिस ने आनन फानन में चौकी इंचार्ज अहिमामऊ की तहरीर पर 15 से 20 अज्ञात गार्डों और बाउंसरों के खिलाफ मार पीट का मुकदमा दर्ज कर दिया। लेकिन महिला डॉक्टर के होने वाले ससुर की तहरीर पर मुकदमा दर्ज नही किया। इस मामले में रोहित के पिता व महिला डॉक्टर स्वाति के होने वाले ससुर रमेश चौधरी ने पिटाई के दौरान अभद्रता करने व जाति सूचक गालियां देने का आरोप लगाते हुए प्रार्थना पत्र पुलिस को दिया लेकिन पुलिस ने उस तहरीर पर मुकदमा दर्ज नही किया। इस संबंध में डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर जांच की जा रही है । पीड़ित के बयान जांच के दौरान शामिल किए जाएंगे।

प्लासियो मॉल में मारपीट के आरोप में छह बाउंसर पुलिस हिरासत में

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में बीते 19/20 सितम्बर की रात गार्डों व बाउंसरों द्वारा महिला डॉक्टर समेत चार लोगों को पीटने के आरोप में छः लोगो को सोमवार को हिरासत लिया गया। इस मामले में गार्डों की संख्या अभी बढ़ सकती है। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल से इस संबंध में बात की गई तो उन्होंने बताया कि छह लोगों को हिरासत में लेकर पूछतांछ की जा रही है। घटना स्थल पर मिले सीसीटीवी से फुटेज के आधार पर अन्य की पहचान की जा रही है। घटना में शामिल और भी गार्डों व बाउंसरों की संख्या बढ़ सकती है।

नगर निगम लखनऊ में ई-ऑफिस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ में कार्य व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी और त्वरित बनाने के उद्देश्य से ई-ऑफिस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण प्रभारी अधिकारी (अधिष्ठान) विकास सिंह और कार्यालय अधीक्षक (अधिष्ठान) श्री महेंद्र वर्मा की देखरेख में सम्पन्न हुआ।प्रशिक्षण में नगर निगम के सभी जोनों के समस्त लिपिकों और राजस्व निरीक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस दौरान अधिकारियों ने ई-ऑफिस प्रणाली के प्रयोग, पत्राचार के डिजिटलीकरण और कार्य निष्पादन की नवीन पद्धति के बारे में विस्तृत जानकारी दी।नगर निगम का यह प्रयास डिजिटल कार्यप्रणाली को बढ़ावा देने और नागरिकों को सुविधाएँ अधिक सुलभ एवं शीघ्र प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

चैन स्नैचिंग में जान गंवाने वाले अतुल जैन के परिजनों से मिले कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, कहा- यूपी की कानून व्यवस्था ध्वस्त

लखनऊ। राजधानी में चैन स्नैचिंग की घटना के दौरान जान गंवाने वाले जानकीपुरम गार्डेन निवासी अतुल कुमार जैन के घर जाकर आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने शोक संवेदना व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और घटना की पूरी जानकारी ली।गौरतलब है कि दो दिन पूर्व सुबह के समय अतुल कुमार जैन आवश्यक कार्य से घर से निकले थे। रास्ते में बदमाशों ने उनकी चैन छीन ली। जब उन्होंने बदमाशों का पीछा किया तो आरोपियों ने उनकी स्कूटी पर लात मार दी, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर एक पीकअप से जा टकराया। हादसे में गंभीर रूप से घायल अतुल कुमार जैन की मौत हो गई।

साइबर ठगी करने वाला गिरफ्तार, 60 हजार की रकम बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की साइबर अपराध शाखा ने नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। थाना नाका क्षेत्र की पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपी ने पीड़ित से ऑनलाइन माध्यम से 60 हजार रुपये की ठगी की थी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से धोखाधड़ी से प्राप्त रकम को भी बरामद कर लिया है।जानकारी के मुताबिक आरोपी बेरोजगार युवाओं को रोजगार का झांसा देकर ठगी की योजना बनाता था। इसी क्रम में उसने वादी से संपर्क साधकर बैंक खाते में धनराशि जमा कराई और उसके बाद लगातार टालमटोल करता रहा। जब पीड़ित को शक हुआ तो उसने तत्काल साइबर अपराध शाखा से संपर्क किया। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जाल बिछाकर आरोपी को धर दबोचा।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता चल सके कि इसके पीछे कोई बड़ा गिरोह सक्रिय तो नहीं है। टीम को शक है कि आरोपी और भी कई लोगों से ठगी कर चुका हो सकता है।लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट ने आमजन से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध कॉल, मैसेज या नौकरी के प्रस्ताव पर बिना पुष्टि किए धनराशि जमा न करें। उन्होंने कहा कि साइबर ठगी से बचाव के लिए सावधानी ही सबसे बड़ा उपाय है और यदि किसी के साथ ऐसी घटना घटती है तो तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें।

रूस में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी का नेतृत्व करेंगे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, बौद्ध भिक्षुओं ने प्रधानमंत्री का जताया आभार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रूस के कालिमकिया में भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा (कपिलवस्तु) अवशेषों की प्रदर्शनी का नेतृत्व करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश भर से आए बौद्ध भिक्षुओं ने मुख्यमंत्री कार्यालय, 7 कालिदास मार्ग पर एकत्र होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की और कहा कि यह आयोजन भारतीय संस्कृति और बौद्ध विरासत के सम्मान का प्रतीक है।बौद्ध भिक्षुओं ने उपमुख्यमंत्री को रूस यात्रा और वहां के कार्यक्रमों की सफलता के लिए आशीर्वाद दिया और मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से भारतीय संस्कृति और भगवान बुद्ध के संदेश को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा मिल रही है। उपमुख्यमंत्री 23 सितंबर को प्रतिनिधिमंडल के साथ रूस के लिए

प्रस्थान करेंगे।इस अवसर पर केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि 2014 से देश की बागडोर संभालने के बाद से उन्होंने भारत की संस्कृति और सभ्यता का विश्वभर में मान-सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में भी प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा था कि भारत ने दुनिया को बुद्ध दिया है, युद्ध नहीं। भगवान बुद्ध का दर्शन आज भी करुणा, शांति और सह-अस्तित्व का मार्ग दिखाता है।मौर्य ने बताया कि भगवान बुद्ध के अवशेषों की प्रदर्शनी थाईलैंड और वियतनाम में पहले भी आयोजित हो चुकी है, जिससे न केवल राजनीतिक रिश्ते बल्कि आध्यात्मिक संबंध भी मजबूत हुए हैं। रूस की यात्रा से भी भारत की सभ्यतागत विरासत को नया आयाम मिलेगा। उन्होंने कहा कि पिपरहवा, जिसे कपिलवस्तु से जोड़ा जाता है, से प्राप्त अवशेष भारत की सांस्कृतिक चेतना से जुड़े हैं और वैश्विक बौद्ध समुदाय के लिए अत्यंत पूजनीय हैं।उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध संपूर्ण मानवता के लिए भारत की सबसे अनमोल धरोहर हैं। उनका दर्शन तर्क, अनुभव और आचरण पर आधारित जीवनशैली है, जो आज भी विश्वभर के लिए प्रासंगिक है। सम्राट अशोक ने जिस बौद्ध धारा से दक्षिण-पूर्व और मध्य एशिया को आलोकित किया था, उसी विरासत को आज प्रधानमंत्री मोदी वैश्विक मंच पर आगे बढ़ा रहे हैं।इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने शारदीय नवरात्रि और जीएसटी उत्सव की भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नई जीएसटी दरों से देशवासियों को बड़ी राहत मिलेगी और सालाना लगभग ढाई लाख करोड़ रुपये की बचत होगी। मौर्य ने स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग और समर्थन का आह्वान करते हुए कहा कि स्वदेशी अपनाने से देश आत्मनिर्भर और समृद्ध बनेगा तथा विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश का संकल्प पूरा होगा।

लखनऊ में ओला ड्राइवर की हत्या का पुलिस ने किया सफल अनावरण, तीन आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना मलिहाबाद क्षेत्र में हुए ब्लाइंड मर्डर के मामले में पुलिस ने सफलतापूर्वक तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का अनावरण किया है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार है। इस कार्रवाई में हत्या में प्रयुक्त हथियार, मृतक का मोबाइल फोन और अन्य महत्वपूर्ण सबूत बरामद किए गए हैं।जानकारी के अनुसार, 20 अगस्त 2025 को सर्वेश यादव (35 वर्ष), निवासी टिकरी खुर्द, थाना मलिहाबाद और पेशे से ओला ड्राइवर, ने हरजतगंज क्षेत्र से इन्दिरा डैम तक चार युवकों की राइड स्वीकार की। तीन आरोपियों ने कार में बैठकर सर्वेश को लूटने और मारने की योजना बनाई और रास्ते में उसके सिर में देशी पिस्टल से गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। आरोपियों ने मृतक का रुपया और मोबाइल लूट

लिया।हत्या के बाद आरोपियों ने शव को कार की पिछली सीट में रखकर करीब आठ किलोमीटर दूर, बाराबंकी जनपद के थाना देवा क्षेत्र के किसान पथ के पास झाड़ियों में फेंक दिया। वाहन को खादी ग्रामोद्योग इंटर कॉलेज के गेट के बाहर तेल खत्म होने का बहाना बनाकर छोड़कर सभी आरोपी मोटरसाइकिल से फरार हो गए।सर्विलांस टीम ने मृतक के मोबाइल के आईएमआई नंबर के आधार पर आरोपियों का पता लगाया और सीसीटीवी फुटेज तथा भौतिक व इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के माध्यम से उन्हें गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में सौरभ यादव उर्फ शेरा (25 वर्ष), विजय यादव (22 वर्ष) और अखिल यादव शामिल हैं। फरार अभियुक्त अरविंद सिंह उर्फ कालू की तलाश जारी है।पुलिस ने आरोपियों के निशानदेही पर उनके निवास स्थान से एक देशी पिस्टल (.32 बोर), चार खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया। इसके अलावा, मृतक सर्वेश यादव का क्षत-विक्षत शव/कंकाल भी बरामद किया गया, जिसकी पहचान परिजनों ने कपड़ों और गले के धागे के आधार पर की।मूल रूप से दर्ज गुमशुदगी केस संख्या 34/25 को बदलकर मुकदमा संख्या 211/2025 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 309(6), 103(1), 238, 3(5) और आयुध अधिनियम की धारा 3/25 के अंतर्गत परिवर्तित किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय में पेश किया गया है।इस कार्रवाई में थाना मलिहाबाद और सर्विलांस/स्वाट टीम उत्तरी जोन की संयुक्त पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र सिंह भाटी, वरिष्ठ उपनिरीक्षक संजय यादव, उपनिरीक्षक राहुल तिवारी, अमन श्रीवास्तव, दीपक कुमार, अश्वनी सिंह, विवेक कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी और स्वाट टीम के हेड कांस्टेबल व कांस्टेबलों ने घटना का सफल अनावरण सुनिश्चित किया।

सीतापुर के महमूदाबाद से पार्षद रहे अजय द्विवेदी एडवोकेट समर्थकों संग कांग्रेस में शामिल

लखनऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की नीतियों और उसकी समावेशी विचारधारा में आस्था जताते हुए सीतापुर जनपद के महमूदाबाद नगर पालिका परिषद से पार्षद रहे अजय द्विवेदी एडवोकेट ने आज अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर आयोजित इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय और ज्वॉइनिंग प्रभारी नितिन शर्मा की मौजूदगी में उन्हें पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलाई गई।कांग्रेस में शामिल होने के बाद अजय द्विवेदी ने कहा कि वे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, जननायक राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा जनहित के मुद्दों पर किए जा रहे संघर्षों से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही वह पार्टी है, जो जनता की आवाज़ को सदन से लेकर सड़क तक मजबूती से उठा रही है।

लखनऊ पुलिस की सक्रियता : विभिन्न थानों में चोरी, हत्या और आत्महत्या के मामले, छह वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने 21 और 22 सितंबर, 2025 को विभिन्न थाना क्षेत्रों में हुई अपराधिक घटनाओं में प्रभावी कार्रवाई करते हुए कुल छह वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई में कैण्ट, ठाकुरगंज, माल, महिगवां, पीजीआई और मड़ियावं थानों के मामले शामिल हैं।कैण्ट थाना क्षेत्र में मुकदमा संख्या 104/2025 के तहत अक्षय प्रताप सिंह उर्फ अनी को गिरफ्तार किया गया। ठाकुरगंज थाना क्षेत्र में मुकदमा संख्या 494/2025 के तहत शिवा श्रीवास्तव उर्फ शिवा को गिरफ्तार किया गया। माल थाना क्षेत्र में मुकदमा संख्या 0255/2025 के तहत कृष्ण कुमार, हंशू मौर्य, राधाकृष्ण मौर्य और मोहित को गिरफ्तार किया गया। सभी अभियुक्तों के खिलाफ संबंधित धाराओं में वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।महिगवां थाना क्षेत्र में 21 सितंबर को वादी मुकेश कुमार ने लिखित तहरीर दी कि 19/20 सितंबर की रात्रि में अज्ञात चोर उनके घर में छत के रास्ते प्रवेश कर कमरे में रखे बक्शे से पत्नी के कीमती जेवरात और अन्य सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने तत्काल मुकदमा संख्या 125/2025 धारा 305(ए) बी0एन0एस0 के तहत दर्ज कर आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है।पीजीआई थाना क्षेत्र में वादिनी श्रीमती आशा पांडेय ने सूचना दी कि वे अपने परिचित के साथ ऑटो में औशिया सेक्टर आई से जबरेला जा रही थीं। तेलीबाग शनि मंदिर के पास बैग का चेन खुला मिला और उसमें रखे कीमती जेवरात किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिए गए। पुलिस ने मुकदमा संख्या 473/2025 धारा 305(सी) बी0एन0एस0 के तहत अज्ञात चोर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।मड़ियावं थाना क्षेत्र में 22 सितंबर को सुबह लगभग 10.30 बजे यासीन बाग फैजुल्लागंज की निवासी महिला निर्मला तिवारी (उम्र 52 वर्ष) ने पारिवारिक विवाद के चलते जहरीला पदार्थ सेवन कर लिया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और महिला को परिजनों द्वारा ईलाइट हॉस्पिटल, केशवनगर में इलाज के लिए ले जाया गया। महिला की स्थिति वर्तमान में सामान्य बताई जा रही है।इन मामलों में पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने अपराधियों को कानून के शिकंजे में लाकर सुरक्षा और शांति बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दूध लेकर लौट रही महिला से चेन लूट, महिला की दिलेरी से बचे चेन के टुकड़े

» सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली क्षेत्र के सेवई की घटना

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ।<सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली क्षेत्र के सावित्री नगर,सेवई निवासी महिला बीते 8सितंबर की शाम दूध लेकर घर लौट रही थी,तभी पीछे से आए अपाचे सवार बदमाशों ने महिला की चेन लूटने की कोशिश की, महिला ने दोनों हाथों से चेन पकड़ ली लेकिन एक हिस्सा लेकर बदमाश भागने में कामयाब हो गए।

इसकी सूचना पीड़िता ने घरवालों को दी,पीड़िता के पति ने रविवार को सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली पुलिस को तहरीर दी पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है। अनिल कुमार तिवारी, सावित्री नगर, सेवई, थाना सुशान्त गोल्फ सिटी लखनऊ में

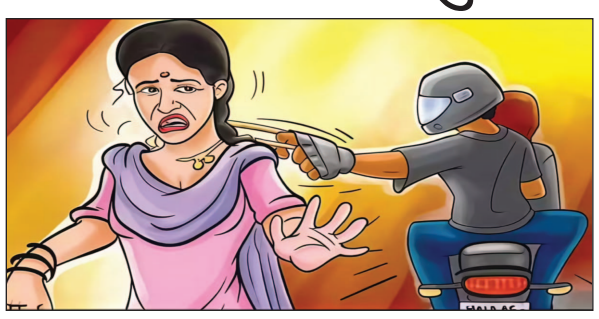

परिवार संग रहते हैं। उन्होंने बताया कि बीती 8 सितम्बर शाम करीब 5.30 बजे इनकी पत्नी बबीता तिवारी अपने घर से थोडी दूर पर स्थित दूध वाले के घर से दूध लेकर अपने घर की तरफ वापस आ रही थी। कि पीछे से आए अपाचे मोटर साईकिल पर सवार दो बदमाशों ने उनके गले से सोने की चैन खीचकर भागना चाहे, लेकिन बबीता ने अपने दोनो हाथो से चैन पकड लिया, बदमाश द्वारा तेजी से खीचने की वजह से चैन का कुछ भाग टूट गया, और वह दोनो व्यक्ति चैन के टूटे हुए भाग को लेकर फरार हो गये।

यह जानकारी भी साझा की

चैन लूटने वाले व्यक्ति अपाची मोटर साईकिल पर सवार थे। आगे वाला व्यक्ति मोटा व पेट निकला हुआ था। पीछे वाला व्यक्ति पतला व लम्बा था। मास्क लगाया हुआ था। चैन का शेष भाग मेरे पास मौजूद है।

सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

लखनऊ में स्वच्छता ही सेवा अभियान : छात्रों और नागरिकों ने किया सक्रिय सहभागिता

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ ने सोमवार को स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत पूरे शहर में व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाया। नगर आयुक्त के मार्गदर्शन में आयोजित इस विशेष पहल का मुख्य उद्देश्य छात्रों और नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना, ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन की समझ विकसित करना और सामुदायिक सहयोग को बढ़ावा देना रहा।अभियान सभी आठों जोनों में एक साथ संचालित किया गया। इसमें जोनल अधिकारी, पार्षद, नगर निगम कर्मचारी, स्वयंसेवी संगठन और आम नागरिक सक्रिय रूप से शामिल हुए। अभियान की सबसे खास बात यह रही कि इसमें बड़ी संख्या में विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।शहर के विभिन्न विद्यालयों में स्वच्छता प्रतियोगिता, वाद-विवाद, खेलकूद और रैलियों का आयोजन किया गया। बच्चों ने साफ-सफाई और पर्यावरण संरक्षण के संदेश देने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अपर नगर आयुक्त ने बच्चों की रचनात्मक प्रस्तुतियों और प्रतियोगिताओं में भागीदारी की सराहना की और विजेताओं को पुरस्कृत किया। बच्चों ने सामूहिक शपथ लेकर संकल्प लिया कि वे अपने घर, मोहल्ले और विद्यालय को हमेशा साफ-सुथरा रखेंगे।विद्यालयों के साथ-साथ अभियान के तहत शहर के प्रमुख बाजारों, मंदिरों, पार्कों, आवासीय क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थलों पर भी विशेष सफाई अभियान चलाया गया। कूड़ा संग्रहण, नालियों की सफाई, एंटी-लार्वा छिड़काव और कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था को मजबूत किया गया। नागरिकों को कचरा पृथक्करण, प्लास्टिक के कम उपयोग और कचरा डस्टबिन में डालने के लिए जागरूक किया गया।अभियान को जोनवार भी संचालित किया गया। अमीनाबाद, राजाजीपुरम, बाल मुकुंद, मलेशे मऊ, सरोजनी नगर, म्युनिसिपल गर्ल्स इंटर कॉलेज, बसौली और दिल्ली पब्लिक स्कूल शहीद पथ जैसे प्रमुख विद्यालयों और क्षेत्रों में विशेष गतिविधियाँ आयोजित की गईं। सभी क्षेत्रों में छात्रों ने शपथ ग्रहण कर स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया।नगर निगम ने नागरिकों से अपील की कि स्वच्छता केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। यदि नागरिक कूड़ा पृथक्करण, खुले में कचरा न फेंकने और प्लास्टिक के कम उपयोग जैसे छोटे संकल्प अपनाएं, तो लखनऊ को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ शहर बनाया जा सकता है। इसके साथ ही किसी भी प्रकार की सफाई संबंधी शिकायत या सुझाव दर्ज कराने के लिए टोल-फ्री नंबर 1533 पर संपर्क करने की सुविधा दी गई है।इस अवसर पर नगर निगम के सभी अपर नगर आयुक्त, जोनल अधिकारी, पार्षद, शिक्षक और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

लखनऊ में झगड़ा कर शांति व्यवस्था भंग करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना ठाकुरगंज क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग करने और झगड़ा करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ चालान कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। जानकारी के अनुसार, 22 सितंबर 2025 को थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग स्थानों पर आरोपियों द्वारा झगड़ा करते हुए शांति व्यवस्था भंग की गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपियों को दबोच लिया।पहले प्रकरण में कृष्णजीत पाण्डे पुत्र स्व. मुन्नु लाल पाण्डे निवासी ग्राम नौबतगंज, थाना बांगरमऊ, जनपद उन्नाव उम्र 38 वर्ष और दिलीप गुप्ता पुत्र राम आसरे गुप्ता निवासी हिया बेंहदर, थाना काशिमपुर, जनपद हरदोई उम्र 32 वर्ष आपसी विवाद के कारण पड़ोसी के साथ झगड़े में शामिल पाए गए। इनके खिलाफ धारा 170, 126 और 135 बीएनएसएस के तहत कानूनी कार्यवाही की गई।दूसरे प्रकरण में धर्मेन्द्र कुमार पुत्र स्व. यदुनंदन प्रसाद निवासी रस्तोगी नगर, बालागंज, थाना ठाकुरगंज उम्र लगभग 50 वर्ष ने वादी के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इस संबंध में 15 सितंबर 2025 को थाना ठाकुरगंज पर मामला पंजीकृत था।गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कृष्णजीत पाण्डे, दिलीप गुप्ता और धर्मेन्द्र कुमार शामिल हैं। पुलिस ने कहा कि ऐसे किसी भी उल्लंघन के मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि क्षेत्र में शांति और कानून का पालन सुनिश्चित किया जा सके।इस कार्रवाई में थाना ठाकुरगंज के उपनिरीक्षक दीपक कुमार राय, उपनिरीक्षक कुलदीप वर्मा तथा कांस्टेबल अंकज यादव और कांस्टेबल अंकित पूनिया की अहम भूमिका रही।

पंजाब में प्रवासी मजदूरों के खिलाफ घृणा अभियान जोरों पर

पंजाब में दूसरे राज्यों से आए मजदूरों का उड़ाया जाने वाला उपहास अब उनके विरोध यहां तक कि उन्हें पंजाब से बाहर करने की मांग तक पहुंच गया है। इन मजदूरों से खैनी-गुटका खाने से लेकर हर छोटे-मोटे अपराधों से इनका नाम जोड़ कर और बाहरी राज्यों से आए अपराधी किस्म के लोगों द्वारा किए गए घिनौने कृत्यों की आड़ में प्रदेश में घृणा अभियान चलाया जा रहा है।

गत दिनों 13 सितम्बर को होशियारपुर में दूसरे राज्य से आए एक व्यक्ति ने 5 वर्षीय हरवीर के साथ दानवों जैसा व्यवहार किया और बाद में उसकी नृशंस हत्या कर दी। पुलिस ने इसके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है परन्तु इस घटना से उपजे आक्रोश की आड़ में कट्टरपंथी शक्तियों ने अपना घिनौना खेल खेलना शुरू कर दिया है। अब राज्य में कई स्थानों पर पंचायतें दूसरे राज्यों से आने वाले श्रमिकों के विरुद्ध प्रस्ताव पारित कर रही हैं। केवल होशियारपुर में ही 25 पंचायतें इस तरह का प्रस्ताव पारित कर चुकी हैं जिसमें बाहर से आए श्रमिकों को काम न देने, रहने को मकान न देने, उनके आधार कार्ड व राशन कार्ड न बना कर देने की बात कही गई है। बठिंडा में भी गहरी देवी नगर की पंचायत ने इस तरह का प्रस्ताव पारित किया है।

पंजाब में इन दिनों सोशल मीडिया पर बाहरी राज्यों से आए इन मजदूरों के खिलाफ घृणा अभियान चलाया जा रहा है, जिनमें मेहनती मजदूरों की छवि को अपराधिक बना कर पेश किया जा रहा है। इन मजदूरों के खिलाफ विषवमन करने वालों में कनाडा, अमेरिका, इटली, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया में बैठे अलगाववादी लोग सबसे आगे हैं। इसी के चलते पंजाब में प्रवासी मजदूरों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। उत्तर प्रदेश और बिहार से आए प्रवासी मजदूरों को गाँवों में काम करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी ने विधानसभा चुनाव प्रचार अभिचान में उत्तर प्रदेश और बिहार से आने वाले प्रवासी मजदूरों को अपमानजनक अर्थ में 'भैया' कहा था। दुखद बात यह है कि उस समय मंच पर मौजूद पार्टी की नेता प्रियंका गांधी ने चन्नी के इस शर्मनाक ब्यान पर तालियां बजाई थीं। ऐसा ही एक मामला आया है मोहाली से, जहाँ एक गाँव से प्रवासी मजदूरों को भगाया गया। मोहाली जिले के जंडपुर गाँव में प्रवासी मजदूरों को घर किराए पर लेने की अनुमति नहीं है। गाँव में उनके लिए 11 तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिनमें रात 9 बजे के बाद बाहर जाने पर प्रतिबंध, धूम्रपान और तम्बाकू चबाने पर पाबंदी, और उनके कपड़ों को लेकर सख्त नियम शामिल हैं। गाँव के गुरुद्वारा कमेटी ने यह फैसला लिया कि प्रवासी मजदूर अब गाँवों में नहीं रह सकते। इसी साल अगस्त में मुंडो संगतियां गाँव से प्रवासी मजदूरों को निकालने का सिलसिला शुरू हुआ। जब मजदूरों को काम से निकाल कर गाँव से बाहर कर दिया गया, तो यह मामला पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय तक पहुँचा। वैभव वत्स नामक एक व्यक्ति ने प्रवासी मजदूरों को अवैध रूप से निकालने के खिलाफ याचिका दायर की, जिससे यह मामला कानूनी चर्चा में आया।

दूसरी तरफ, प्रवासी मजदूरों का दर्द है कि वे अपनी मेहनत से पैसे कमाते हैं, लेकिन उन्हें यहां सम्मान नहीं मिलता। मजदूरों को भैया कहकर अपमानित किया जाता है और उनके सांवले रंग के कारण उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ता है। लुधियाना, जालन्धर, अमृतसर जैसे उद्योगिक नगरों में अपराधी तत्व आटो चालकों, रेहड़ी-फड़ी वालों, फेरी वालों को अकेला देख कर लूट लेते हैं। वेतन वाले दिन यह श्रमिक इन अपराधी तत्वों का विशेष लक्ष्य होते हैं और फैक्ट्री से घर जाते समय इनको रास्ते में लूट लिया जाता है। पुलिस प्रशासन इनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं देता और कई बार तो प्राथमिकी भी दर्ज नहीं की जाती। बहुत सी श्रमिक बस्तियां सडक़, बिजली, पानी, सीवरेज जैसे मौलिक सुविधाओं से वंचित हैं और इन श्रमिकों को नारकीय जीवन जीना पड़ रहा है। राजनीतिक दल बहला फुसला कर इनसे वोटें तो हासिल कर लेते हैं परंतु असंगठित होने के कारण इनकी मांगों पर गौर तक नहीं किया जाता। समय की मांग है कि आपराधिक कृत्यों पर सख्त कार्रवाई करते हुए श्रमिक वर्ग के खिलाफ अभियान चलाने वाली शक्तियों के खिलाफ सख्ती से पेश आया जाए और पंजाब में निवास कर रहे बाहरी राज्यों के श्रमिकों को पूरी सुरक्षा व नागरिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। प्रदेश में चले इस अभियान को हल्के में नहीं लिया जा सकता, क्योंकि प्रदेश पिछले कई दशकों से अलगाववाद की आग में जल रहा है। बिखराव की इस आंच में अलाव डालने का काम देश-विदेश में बैठी समाज विरोधी शक्तियां कर रही हैं। सोशल मीडिया पर चल रहे इस अभियान के एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम हैण्डलरों के थ्रेड ही चेक कर लिए जाएं तो सारी स्थिति स्पष्ट हो जाती है कि इसके पीछे कौन हैं।

त्वरित, कठोर और समयानुकूल निर्णय क्षमता ही है नरेन्द्र मोदी की पहचान

आज मोदी के भारत को दुनिया का कोई देश या दुनिया का कोई नेता हल्के में नहीं ले सकता। इसका कारण भी है भारत आज आंख में आंख डाल कर बात करने की हैसियत रखता है। ट्रंप की बौखलाहट से इसे आसानी से समझा जा सकता है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मार्निंग कंसल्ट की वैश्विक मंच पर लोकप्रियता के ताजातरीन सर्वे में एक बार फिर 75 वर्षीय नरेन्द्र दामोदर दास मोदी की लोकप्रियता या यों कहें कि एप्रूवल रेट 75 प्रतिशत रही है। यह विश्व के अन्य नेताओं की तुलना में कहीं अधिक है तो दूसरी और पिछले दिनों प्यू रिसर्च की रिपोर्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भरोसा जताने वाले केवल 40 प्रतिशत लोग ही रह गए और इनमें भी केवल मात्र 15 फीसदी ही ऐसे लोग है जो पूरी तरह से ट्रंप पर भरोसा कर रहे हैं। चुनाव के समय 81 प्रतिषत भरोसे लायक नेता पर 40 प्रतिशत अमेरिकीयों का भरोसा और इनमें से भी 25 प्रतिशत का थोड़ा भरोसा तो केवल 15 प्रतिशत अमेरिकी ही ट्रंप पर पूरी तरह से भरोसा जता रहे हैं। 59 प्रतिशत अमेरिकीयों को तो ट्रंप पर अब बिलकुल भी भरोसा नहीं रहा है। एक बात और साफ हो जानी चाहिए कि मार्निंग कंसल्ट के इस सर्वें में दूसरे पायदान पर रहने वाले दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति लीजे म्युंग को 59 प्रतिशत और अर्जेंटिना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई को 57 प्रतिशत का एप्रूवल मिला है। दरअसल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एप्रूवल देश में ही नहीं विदेशों में भी एक दंबग नेता और साफ सुथरी छवि के कारण है। इसके साथ ही कूटनीति, तकनीक, रक्षा, अर्थव्यवस्था और किसी के सामने नई झुकने की जीद ने और अधिक लोकप्रियता बढ़ा दी है। सबसे खासबात यह है कि विरोधी चाहे कितना भी शोर मचाये इसमें कोई दो राय नहीं और इससे भी बढ़कर कि आपरेशन सिन्दुर को लेकर देशवासियों और विदेशियों किसी को भी नरेन्द्र मोदी और सेना के कथन पर किसी तरह का कोई संदेह नहीं है। देर सबेर और गाहे बेगाहे पाकिस्तान तक ऑपरेशन सिन्दुर की टीस को व्यक्त कर ही देता है। ऐसे में विरोधियों द्वारा ऑपरेशन सिन्दुर पर जिस तरह से नकारात्मकता व्यक्त की जाती हैं वह कहीं ना कहीं मोदी और मोदी सरकार की विश्वसनीयता को और अधिक बढ़ाने में ही सहायक है। यह बात इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि नरेन्द्र मोदी अपनी जीवन की अमृतवेला मना रहे है। 75 साल के नरेन्द्र मोदी जिस अदम्य साहस और दृढ़ता का परिचय दे रहे हैं और खासतौर से जिस तरह से अमेरिका और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ के आगे झुकने से पूरी तरह नकार कर लगता है अब तो ट्रंप को ही झुकने को मजबूर होने जैसे हालात कर दिए हैं। ट्रंप शायद भूल गए कि यह आज का और मोदी का हिन्दुस्तान है।

आज मोदी के भारत को दुनिया का कोई देश या दुनिया का कोई नेता हल्के में नहीं ले सकता। इसका कारण भी है भारत आज आंख में आंख डाल कर बात करने की हैसियत रखता है। ट्रंप की बौखलाहट से इसे आसानी से समझा जा सकता है। दरअसल आज के दौर में वैश्विक नेता के रुप में बोल्ड होने, एग्रेसिव होने, कठोर व त्वरित निर्णय लेने वाले नेता लोगों की पसंद बनते जा रहे हैं। अच्छे बुरे परिणाम की चिंता कर निर्णय की उहापोह में फंसे नेता आज के लोगों की पसंद हो ही नहीं सकते। इसका बड़ा कारण दुनिया में वैश्विक संकटों का दौर चलना है। पर यह भी समझ लेना होगा कि दुनिया के लोग ट्रंप जैसे अंहकारी, तुगलकी निर्णय करने वाले, गली मौहल्ले के दादाओं जैसे व्यवहार करने वाले और अपने नासमझी भरे निर्णयों और फिर उन निर्णयों पर मुहं की खाने वाले नेताओ को भी पसंद नहीं करते। संकटों के दौर में लोगों का यह मानना रहता है कि हमें आलोचना प्रत्यालोचना या आगा पीछा सोच कर निर्णय लेने वाला नहीं अपितु त्वरित और कठोर निर्णय लेने वाला नेता चाहिए। और इसमें कोई दो राय नहीं कि नरेन्द्र मोदी इस पर खरे उतरे हैं।

जहां तक देश और देश में मोदी विरोधियों की बात है तो यह भी अब तक साफ हो गया है कि मोदी के विरोध में जो जो नारे गढ़े गए या अभियानों में जो मोदी विरोध की आवाज बने वह सब विरोधियों पर ही भारी पड़े है। इसकी शुरुआत 2007 में गोदरा कांड के बाद चुनाव के बाद का नारा मौत का सौदागर हो या आज चौकीदार चोर है सभी नारे उल्टे पड़े हैं और देशवासियों ने इन्हें सिरे से नकारा है। चौकीदार चोर है का उत्तर देते हुए स्वयं मोदी ने इसका उपयोग मैं भी चौकीदार का जबावी नारा देकर उत्तर दिया। नारों की यह एक लंबी फेहरिस्त है जिससे देशवासी अवगत है। अब आज वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा लगाकर या संविधान बचाओं का नारा देकर मोदी विरोध में हवा बनाने व बिहार आदि के चुनाव जीतने का सपना पाल रहे हैं पर कहीं पहले की तरह सेल्फ गोल ही साबित ना हो जाये इससे नकारा नहीं जा सकता। राममंदिर, कश्मीर में धारा 370 हटाने, कश्मीर युवाओं को मुख्यधारा में लाने, ऑपरेशन सिन्दुर, एयर स्ट्राइक, जनधन खाते, डिजिटल भुगतान, जन औषधी केन्द्र, आयुष्मान योजना, गिग इकोनोमी, रक्षा आयुधों का देश में ही उत्पादन व निर्यात, एमएसएमई सेक्टर, स्टार्टअप, यूनिकोर्न, विदेशी निवेश, सडक परिवहन विकास, आदि आदि सभी क्षेत्रों में विकास का जो दौर दिखाई दे रहा है यह ठोस और त्वरित योजनावद्ध निर्णयों का ही परिणाम है। यह तो केवल बानगी मात्र है। आज आतंकवादी गतिविधियां लगभग समाप्त हो गई, नक्सलवादी गतिविधियां दिखाई नहीं दे रही हैं, सांप्रदायिकता पर रोक लगी है, पत्थरबाजी नहीं दिखती, सपाट यातायात दिखाई दे रहा है यह और इसके अलावा भी बहुत कुछ सामने हैं।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि विश्वसनीयता एक दिन में या एक काम से नहीं बनती। इसके साथ ही केवल व्यक्ति विशेष को निशाना बनाने से भी कोई खास हासिल नहीं हो सकता। अच्छे को अच्छा और बुरे को बुरा कहने की आदत डाले तो शायद आमजनता में अधिक प्रभावी तरीके से अपनी बात रख कर लोगों को अपने पक्ष में किया जा सकता है। जब राष्ट्रीय अस्मिता पर और सेना के पराक्रम को प्रश्नों में उभारा जाता है तो लाख कमियों के बावजूद सच्चा राष्ट्रप्रेमी नागरिक इसे स्वीकार नहीं पाता। यही कारण है कि मोदी जी को जितना निशाना बनाया जाता है मोदी उस निशाने से और अधिक निखार के साथ उभरते आ रहे हैं। आज जब ट्रंप भारत की अर्थ व्यवस्था को नकारते हैं तो यह देशवासियों के गले उतरने वाली बात नहीं होती। इसी तरह से जब ऑपरेशन सिन्दुर पर प्रश्न चिन्ह उठाया जाता है तो आमजन इसे देश के खिलाफ आवाज और सेना के असम्मान के रुप में देखता है। जब संविधान की प्रति उठाकर संविधान बचाओ की बात करते हैं तो उनकी सरकार के समय ही संसद से पास अधिसूचना को सार्वजनिक रुप से फाड़ने को याद करते हैं। जीएसटी को लेकर प्रश्न उठाते हैं तो आज इससे मिल रही राहत को जनता कैसे नकार सकती है। इसलिए सकारात्मक विरोध के साथ आगे आकर ही मोदी और मोदी की नीतियों का पार पा सकते हैं। संसद और विधानसभाओं में गतिरोध का दौर चलता है, खुली चर्चाएं हो नहीं पाती, सत्र सालों साल छोटे होते जा रहे हैं। आधी आधी रात तक होने वाली चर्चाएं अब बीते दिनों की बात हो गई है तो ऐसे में केवल आरोप प्रत्यारोप के भरोसे मोदी पर जीत की बात करना बेमानी होगा। दूसरी बात यह कि हम बड़ी लकीर खींच कर ही दूसरी लकीर को छोटी बता सकते हैं हो इसका उल्टा रहा है और प्रयास लकीर से ही छेड़ छोड़ कर छोटी दिखाने के प्रयास किये जाते हैं तो यह गले नहीं उतरती। यह सब समझने वाली बात हो गई है। मोदी जी की अमृत वेला में शतायु होने की कामना के साथ आज देश उनकी और देख रहा है।

ब्लॉग

त्वरित, कठोर और समयानुकूल निर्णय क्षमता ही है नरेन्द्र मोदी की पहचान

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मार्निंग कंसल्ट की वैश्विक मंच पर लोकप्रियता के ताजातरीन सर्वे में एक बार फिर 75 वर्षीय नरेन्द्र दामोदर दास मोदी की लोकप्रियता या यों कहें कि एप्रूवल रेट 75 प्रतिशत रही है। यह विश्व के अन्य नेताओं की तुलना में कहीं अधिक है तो दूसरी और पिछले दिनों प्यू रिसर्च की रिपोर्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भरोसा जताने वाले केवल 40 प्रतिशत लोग ही रह गए और इनमें भी केवल मात्र 15 फीसदी ही ऐसे लोग है जो पूरी तरह से ट्रंप पर भरोसा कर रहे हैं। चुनाव के समय 81 प्रतिषत भरोसे लायक नेता पर 40 प्रतिशत अमेरिकीयों का भरोसा और इनमें से भी 25 प्रतिशत का थोड़ा भरोसा तो केवल 15 प्रतिशत अमेरिकी ही ट्रंप पर पूरी तरह से भरोसा जता रहे हैं। 59 प्रतिशत अमेरिकीयों को तो ट्रंप पर अब बिलकुल भी भरोसा नहीं रहा है। एक बात और साफ हो जानी चाहिए कि मार्निंग कंसल्ट के इस सर्वें में दूसरे पायदान पर रहने वाले दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति लीजे म्युंग को 59 प्रतिशत और अर्जेंटिना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई को 57 प्रतिशत का एप्रूवल मिला है। दरअसल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एप्रूवल देश में ही नहीं विदेशों में भी एक दंबग नेता और साफ सुथरी छवि के कारण है। इसके साथ ही कूटनीति, तकनीक, रक्षा, अर्थव्यवस्था और किसी के सामने नई झुकने की जीद ने और अधिक लोकप्रियता बढ़ा दी है। सबसे खासबात यह है कि विरोधी चाहे कितना भी शोर मचाये इसमें कोई दो राय नहीं और इससे भी बढ़कर कि आपरेशन सिन्दुर को लेकर देशवासियों और विदेशियों किसी को भी नरेन्द्र मोदी और सेना के कथन पर किसी तरह का कोई संदेह नहीं है। देर सबेर और गाहे बेगाहे पाकिस्तान तक ऑपरेशन सिन्दुर की टीस को व्यक्त कर ही देता है। ऐसे में विरोधियों द्वारा ऑपरेशन सिन्दुर पर जिस तरह से नकारात्मकता व्यक्त की जाती हैं वह कहीं ना कहीं मोदी और मोदी सरकार की विश्वसनीयता को और अधिक बढ़ाने में ही सहायक है। यह बात इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि नरेन्द्र मोदी अपनी जीवन की अमृतवेला मना रहे है। 75 साल के नरेन्द्र मोदी जिस अदम्य साहस और दृढ़ता का परिचय दे रहे हैं और खासतौर से जिस तरह से अमेरिका और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ के आगे झुकने से पूरी तरह नकार कर लगता है अब तो ट्रंप को ही झुकने को मजबूर होने जैसे हालात कर दिए हैं। ट्रंप शायद भूल गए कि यह आज का और मोदी का हिन्दुस्तान है।

आज मोदी के भारत को दुनिया का कोई देश या दुनिया का कोई नेता हल्के में नहीं ले सकता। इसका कारण भी है भारत आज आंख में आंख डाल कर बात करने की हैसियत रखता है। ट्रंप की बौखलाहट से इसे आसानी से समझा जा सकता है। दरअसल आज के दौर में वैश्विक नेता के रुप में बोल्ड होने, एग्रेसिव होने, कठोर व त्वरित निर्णय लेने वाले नेता लोगों की पसंद बनते जा रहे हैं। अच्छे बुरे परिणाम की चिंता कर निर्णय की उहापोह में फंसे नेता आज के लोगों की पसंद हो ही नहीं सकते। इसका बड़ा कारण दुनिया में वैश्विक संकटों का दौर चलना है। पर यह भी समझ लेना होगा कि दुनिया के लोग ट्रंप जैसे अंहकारी, तुगलकी निर्णय करने वाले, गली मौहल्ले के दादाओं जैसे व्यवहार करने वाले और अपने नासमझी भरे निर्णयों और फिर उन निर्णयों पर मुहं की खाने वाले नेताओ को भी पसंद नहीं करते। संकटों के दौर में लोगों का यह मानना रहता है कि हमें आलोचना प्रत्यालोचना या आगा पीछा सोच कर निर्णय लेने वाला नहीं अपितु त्वरित और कठोर निर्णय लेने वाला नेता चाहिए। और इसमें कोई दो राय नहीं कि नरेन्द्र मोदी इस पर खरे उतरे हैं।

जहां तक देश और देश में मोदी विरोधियों की बात है तो यह भी अब तक साफ हो गया है कि मोदी के विरोध में जो जो नारे गढ़े गए या अभियानों में जो मोदी विरोध की आवाज बने वह सब विरोधियों पर ही भारी पड़े है। इसकी शुरुआत 2007 में गोदरा कांड के बाद चुनाव के बाद का नारा मौत का सौदागर हो या आज चौकीदार चोर है सभी नारे उल्टे पड़े हैं और देशवासियों ने इन्हें सिरे से नकारा है। चौकीदार चोर है का उत्तर देते हुए स्वयं मोदी ने इसका उपयोग मैं भी चौकीदार का जबावी नारा देकर उत्तर दिया। नारों की यह एक लंबी फेहरिस्त है जिससे देशवासी अवगत है। अब आज वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा लगाकर या संविधान बचाओं का नारा देकर मोदी विरोध में हवा बनाने व बिहार आदि के चुनाव जीतने का सपना पाल रहे हैं पर कहीं पहले की तरह सेल्फ गोल ही साबित ना हो जाये इससे नकारा नहीं जा सकता। राममंदिर, कश्मीर में धारा 370 हटाने, कश्मीर युवाओं को मुख्यधारा में लाने, ऑपरेशन सिन्दुर, एयर स्ट्राइक, जनधन खाते, डिजिटल भुगतान, जन औषधी केन्द्र, आयुष्मान योजना, गिग इकोनोमी, रक्षा आयुधों का देश में ही उत्पादन व निर्यात, एमएसएमई सेक्टर, स्टार्टअप, यूनिकोर्न, विदेशी निवेश, सडक परिवहन विकास, आदि आदि सभी क्षेत्रों में विकास का जो दौर दिखाई दे रहा है यह ठोस और त्वरित योजनावद्ध निर्णयों का ही परिणाम है। यह तो केवल बानगी मात्र है। आज आतंकवादी गतिविधियां लगभग समाप्त हो गई, नक्सलवादी गतिविधियां दिखाई नहीं दे रही हैं, सांप्रदायिकता पर रोक लगी है, पत्थरबाजी नहीं दिखती, सपाट यातायात दिखाई दे रहा है यह और इसके अलावा भी बहुत कुछ सामने हैं।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि विश्वसनीयता एक दिन में या एक काम से नहीं बनती। इसके साथ ही केवल व्यक्ति विशेष को निशाना बनाने से भी कोई खास हासिल नहीं हो सकता। अच्छे को अच्छा और बुरे को बुरा कहने की आदत डाले तो शायद आमजनता में अधिक प्रभावी तरीके से अपनी बात रख कर लोगों को अपने पक्ष में किया जा सकता है। जब राष्ट्रीय अस्मिता पर और सेना के पराक्रम को प्रश्नों में उभारा जाता है तो लाख कमियों के बावजूद सच्चा राष्ट्रप्रेमी नागरिक इसे स्वीकार नहीं पाता। यही कारण है कि मोदी जी को जितना निशाना बनाया जाता है मोदी उस निशाने से और अधिक निखार के साथ उभरते आ रहे हैं। आज जब ट्रंप भारत की अर्थ व्यवस्था को नकारते हैं तो यह देशवासियों के गले उतरने वाली बात नहीं होती। इसी तरह से जब ऑपरेशन सिन्दुर पर प्रश्न चिन्ह उठाया जाता है तो आमजन इसे देश के खिलाफ आवाज और सेना के असम्मान के रुप में देखता है। जब संविधान की प्रति उठाकर संविधान बचाओ की बात करते हैं तो उनकी सरकार के समय ही संसद से पास अधिसूचना को सार्वजनिक रुप से फाड़ने को याद करते हैं। जीएसटी को लेकर प्रश्न उठाते हैं तो आज इससे मिल रही राहत को जनता कैसे नकार सकती है। इसलिए सकारात्मक विरोध के साथ आगे आकर ही मोदी और मोदी की नीतियों का पार पा सकते हैं।

संसद और विधानसभाओं में गतिरोध का दौर चलता है, खुली चर्चाएं हो नहीं पाती, सत्र सालों साल छोटे होते जा रहे हैं। आधी आधी रात तक होने वाली चर्चाएं अब बीते दिनों की बात हो गई है तो ऐसे में केवल आरोप प्रत्यारोप के भरोसे मोदी पर जीत की बात करना बेमानी होगा। दूसरी बात यह कि हम बड़ी लकीर खींच कर ही दूसरी लकीर को छोटी बता सकते हैं हो इसका उल्टा रहा है और प्रयास लकीर से ही छेड़ छोड़ कर छोटी दिखाने के प्रयास किये जाते हैं तो यह गले नहीं उतरती। यह सब समझने वाली बात हो गई है। मोदी जी की अमृत वेला में शतायु होने की कामना के साथ आज देश उनकी और देख रहा है। ऐसे में मोदी जी के नेतृत्व और निवृति की बात करना पूरी तरह से बेमानी होगी। देश को अभी मोदी जी और उनके जैसे नेतृत्व की आवश्यकता है जिससे आजादी के शताब्दी वर्ष तक देश विश्व की सबसे बड़ी ताकत बन कर उभर सके।

अजब-गजब

ट्रेन में लड़की के साथ घटी अजीब घटना, TTE ने इंस्टाग्राम पर भेजा फॉलो रिक्वेस्ट

रेल यात्रा को आमतौर पर सभी के लिए सुरक्षित ही माना जाता है, जिसमें महिलाएं भी शामिल हैं। महिलाओं के लिए तो कई ट्रेनों में स्पेशल डिब्बे भी लगाए गए हैं। इसके अलावा हर ट्रेन की सीसीटीवी निगरानी होती है, ट्रेनों में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवान भी तैनात रहते हैं और कुछ समस्या होने पर हेल्पलाइन नंबर पर कॉल भी कर सकते हैं। हालांकि इसके बावजूद ट्रेनों में अकेले सफर कर रही महिलाओं को अजीब स्थिति का सामना करना पड़ जाता है। ऐसी ही एक लड़की इन दिनों काफी चर्चा में है, जिसने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर अपनी चौंका देने वाली कहानी बयां की है।

दरअसल, लड़की एक ट्रेन में सफर कर रही थी और इस दौरान टीटीई ने उसके साथ एक बड़ा ही अजीब व्यवहार किया। लड़की ने दावा किया है कि टिकट चेकर (TC) ने कथित तौर पर उसके टिकट की पुष्टि करने के तुरंत बाद उसे इंस्टाग्राम पर फॉलो रिक्वेस्ट भेज दिया।

रेडिट पर अपनी आपबीती बताते हुए लड़की ने लिखा है, 'हाल ही में मैं ट्रेन से सफर कर रही थी और बाद में पता चला कि मेरे कोच में टिकट चेक करने वाले टीसी ने किसी तरह मुझे इंस्टाग्राम पर ढूंढ लिया और मुझे फॉलो करने का रिक्वेस्ट भेज दिया। मुझे लगता है कि उसने मेरा नाम रिजर्वेशन चार्ट से लिया होगा। सच कहूं तो थोड़ा अजीब लगा, क्योंकि यात्रा के दौरान यात्री यही निजी जानकारी देते हैं'।

अब लड़की के इस पोस्ट ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर बहस छेड़ दी है। कई यूजर्स ने लड़की से मामले की शिकायत करने को कहा, तो कईयों ने टिकट चेकर से उलझने से बचने की चेतावनी दी है। एक यूज़र ने लिखा है, 'कृपया एक्सेप्ट न करें! ये तो बिल्कुल ही अजीब व्यवहार है। अगर आप इसे एक्सेप्ट कर लेंगी, तो आपको ढेर सारे डीएम (डिजिटल मैसेज) मिलने लगेंगे', तो एक महिला ने अपना अनुभव शेयर करते हुए लिखा है, 'मत एक्सेप्ट करो। एक बार जब एक टीसी ने मेरा टिकट चेक किया, तो वह वापस आया और मुझे अपने पीछे आने को कहा। मैं छोटी थी और डरी हुई थी, इसलिए मैं उसके पीछे सेकंड एसी तक गई। उस अधेड़ उम्र के आदमी ने मुझसे कहा कि वह मेरा दोस्त बनना चाहता है और उसने मुझसे मेरा नंबर शेयर करने के लिए जबरदस्ती की'।

इंस्टाग्राम पर प्यार... तीन साल पहले लव मैरिज, अब कत्ल: बंद फैक्टरी में जलाई लाश, रेशमा हत्याकांड की कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के औंग थाना क्षेत्र में रानीपुर स्थित बंद फैक्टरी में सुलगते मिले शव की पहचान कानपुर जिले के महाराजपुर की रेशमा (25) के रूप में परिजन ने की है। पुलिस हत्यारोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। इसी मामले में पुलिस ने पूर्व जिला पंचायत सदस्य समेत चार लोगों को हिरासत में लिया है।

महिला का शव 15 सितंबर को फैक्टरी में जला हुआ मिला था। विवेचना के दौरान पुलिस को कुछ संदिग्ध मोबाइल नंबरों की लोकेशन फैक्टरी के आसपास मिली थी। नंबरों के आधार पर पुलिस रविवार दोपहर कानपुर महाराजपुर थाने के गंगागंज गांव दीपू पासवान के घर पहुंची।

पुलिस आने की जानकारी पर दीपू घर से भाग निकला। पुलिस ने

दीपू की पत्नी रेशमा के बारे में छानबीन की। पता लगा कि रेशमा थाना क्षेत्र के ही रसूलपुर पधारा निवासी विनोद पासवान की पुत्री है। बचपन में रेशमा की मां रूपरानी की मौत हो गई थी।

इसके बाद रेशमा अपनी नानी किशनी के पास जहानाबाद थाने के नयापुरवा में रहती थी। पिता से कोई वास्ता नहीं रहा। नानी ने पुलिस को बताया कि रेशमा की इंस्टाग्राम पर दोस्ती कानपुर के महाराजपुर थाने के गंगागंज निवासी दीपू पासवान से हुई थी।

शादी के बाद दोनों के बीच अनबन

दोनों परिवारों की मर्जी से 2022 में शादी की थी। शादी के बाद दोनों के बीच अनबन रहती थी। इस मामले के खुलासे के बाद थाने पर करचलपुर गांव से रेशमा की मौसी मंजू, मौसा राजाराम, मौसेरी बहन मोनी, रिश्ते में बहनोई बृजलाल पहुंचे।

नानी ने महाराजपुर थाने में की थी शिकायत

मौसेरी बहन मोनी ने बताया कि 15 सितंबर की दोपहर दो बजे रेशमा के पति दीपू ने उसे और अन्य रिश्तेदारों को फोन किया था। उसने बोला कि रेशमा कहीं चली गई है। नानी किशनी ने महाराजपुर थाने में शिकायत भी की लेकिन पुलिस ने उसे लौटा दिया।

पुलिस ने रेशमा के रिश्तेदार पूर्व जिला पंचायत सदस्य समेत चार लोगों को हिरासत में लिया है। थानाध्यक्ष हनुमान प्रताप सिंह ने बताया कि फैक्टरी में जले मिले महिला के शव की पहचान कर ली गई है। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पति ने दर्ज कराई थी महिला की गुमशुदगी

पुलिस महिला के पति की तलाश में तेजी से जुटी है। पुलिस महकमे में चर्चा है कि महिला के चरित्र पर पति को संदेह रहा होगा। इसके चलते पति ने साजिश के तहत पत्नी की हत्या को अंजाम दिया। पहचान छिपाने के लिए शव को पेट्रोल डालकर जलाया है।

पुलिस महकमे में चर्चा है कि पुलिस ने रात को दीपू को पकड़ लिया है। उससे पूछताछ में सारा पर्दाफाश होगा। दीपू ने ही पत्नी की महाराजपुर थाने में 18 सितंबर को गुमशुदगी दर्ज कराई थी। उसने पूर्व जिला पंचायत सदस्य रिश्तेदार पर आरोप भी लगाया था।

प्रधान और कोटेदार ने कराई थी पंचायत

इधर, कई दिनों से दीपू और रेशमा के बीच विवाद के हालात बने थे। रेशमा मायके भी जाने की जिद कर रही थी। दोनों के बीच प्रधान और कोटेदार ने पंचायत कराई थी। पंचायत के बाद भी दोनों के बीच विवाद चल रहा था। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि घटना में किस वाहन का इस्तेमाल किया होगा। दीपू के भाई के पास बाइक होना बताया जा रहा है।

लखनऊ के तेलीबाग का जाम होगा खत्म, इस फ्लाईओवर से बदलेगी इलाके की किस्मत!

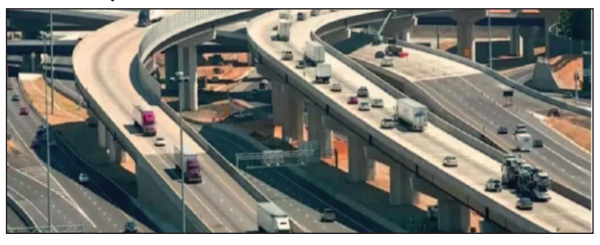

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को जाम से निजात दिलाने के लिए कई योजनाओं पर काम चल रहा है। उन सभी इलाकों में यातायात व्यवस्था को बेहतर करने के लिए योजनाएं है, जिससे लोगों को जाम का सामना करना पड़ता है। इसी क्रम में अब राजधानी लखनऊ के तेलीबाग चौराहे पर जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए तीन साल से लंबित फ्लाईओवर परियोजना को आखिरकार हरी झंडी मिल गई है। यह फ्लाईओवर तेलीबाग चौराहे पर यातायात को सुगम बनाएगा और लाखों लोगों का सफर आसान करेगा।

इस योजना को लेकर लगभग 15 दिन पहले शासन के निर्देश पर सेतु निगम ने तेलीबाग चौराहे का नए सिरे से सर्वे किया गया था। इसके बाद निगम ने इस परियोजना के लिए 161 करोड़ रुपये का एस्टीमेट तैयार किया और इसे मंजूरी के लिए भेजा। अब शासन से हरी झंडी मिल गई है। अब इस परियोजना में किसी भी तरह की अड़चन की संभावना नहीं है। हालांकि, इसे कार्ययोजना में शामिल करने की प्रक्रिया अभी बाकी है, लेकिन निर्माण कार्य जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

जाम से मिलेगी राहत

तेलीबाग चौराहा- आलमबाग, कैंट, वृंदावन कॉलोनी सहित छह प्रमुख सड़कों का संगम है। इसके कारण सुबह से देर रात तक यहां यातायात का दबाव रहता है। सेतु निगम के अनुसार, रोजाना करीब एक लाख छोटे-बड़े वाहन इस चौराहे से गुजरते हैं, जिसमें एसजीपीजीआई अस्पताल जाने वाले वाहन भी शामिल हैं। ये वाहन अक्सर जाम में फंस जाते हैं, जिससे मरीजों और यात्रियों को भारी परेशानी होती है।

2023 में हुई थी घोषणा

साल 2023 में जाम की समस्या को देखते हुए इस फ्लाईओवर के निर्माण की घोषणा की गई थी। उस समय सर्वे में इसकी लागत 145 करोड़ रुपये आंकी गई थी। हालांकि नए सर्वे के बाद फ्लाईओवर की लागत बढ़कर 161 करोड़ रुपये हो गई है। इस नए फ्लाईओवर की लंबाई 850 मीटर लंबा होगी। साथ ही पीजीआई की तरफ इसकी लंबाई 60 मीटर होगी।

इन इलाकों को मिलेगी राहत

इस 850 मीटर लंबा यह फ्लाईओवर बनने के बाद रायबरेली रोड, आलमबाग रोड, छावनी क्षेत्र, वृंदावन योजना (सेक्टर-5 से 22) और एसजीपीजीआई अस्पताल आने-जाने वाले लोगों को जाम से बड़ी राहत मिलेगी। इसके अलावा, आगरा एक्सप्रेसवे और कानपुर से आने-जाने वाले वाहनों का दबाव भी कम होगा। इसके साथ ही लखनऊ कैंट से रायबरेली रोड और आलमबाग वीआईपी रोड से शहीद पथ तक का आवागमन भी सुगम हो जाएगा।

जाम से मिलेगी राहत

तेलीबाग फ्लाईओवर का निर्माण न केवल यातायात की समस्या को हल करेगा, बल्कि राजधानी के विकास में भी एक महत्वपूर्ण कदम होगा। यह परियोजना लाखों लोगों के लिए समय और सुविधा की बचत करेगी, जिससे यात्रियों का सफर आसान और सुरक्षित भी होगा।

रावण जन्म से प्रारम्भ हुयी श्री कटरा रामलीला "सिया के राम" का मंचन

प्रयागराज। रविवार को श्री राम लीला कमेटी कटरा द्वारा आयोजित "सिया के राम" लीला का मंचन राम लीला प्रांगण कर्नलगंज इन्डियन प्रेस चौराहे के समीप प्रारम्भ हुआ जिसमे कमेटी के सम्मानित पदाधिकारी गण श्री रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सुधीर कुमार गुप्ता महामंत्री उमेश चन्द्र केशरवानी, कोषाध्यक्ष अश्वनी केशरवानी, उपाध्यक्ष विनोद केशरवानी, आनन्द अग्रवाल, मयंक अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर मंचन का शुभारंभ किया। जिसमे कमेटी के मंत्री शिव बाबू गुप्ता, विपुल मित्तल, महेश चन्द्र गुप्ता कार्यकारणी सदस्य दिलीप चौरसिया, अलोक गुप्ता एवं मीडिया प्रभारी पवन प्रजापति आदि सदस्य गण उपस्थित रहे। रामलीला के मंचन के प्रथम दिन सुबोध सिंह एवं अनूप श्रीवास्तव के निर्देशन में कलाकारों ने रविवार को ध्वनि एवं प्रकाश के माध्यम से भव्य राम लीला का मंचन किया गया। जिसकी रूप रेखा में दशानन रावण के रूप में अभिनय कर रहे।

गोंडा में "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम की समीक्षा बैठक

स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पीएसआई इंडिया व केनव्यू के सहयोग से चलाया जा रहा कार्यक्रम

आर्यावर्त संवाददाता

गोंडा। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया और केनव्यू के सहयोग से जिले में चलाये जा रहे "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम की समीक्षा बैठक सोमवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रश्मि वर्मा की अध्यक्षता में हुई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार में हुई बैठक में पीएसआई इंडिया के पंकज पाठक ने कार्यक्रम सम्बन्धी गतिविधियों और प्रगति के बारे में विस्तार से बताया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि समुदाय में डायरिया के प्रति जनजागरूकता बहुत जरूरी है, जिसके लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय से काम करने की जरूरत है। इस मौके पर पंकज पाठक ने बताया कि पीएसआई इंडिया द्वारा जनपद गोण्डा में 80 स्थानों पर डायरिया से संबंधित दीवार लेखन किया गया है। टीम ने ग्रामीण एवं शहरी स्वास्थ्य इकाइयों पर आशा एवं एएनएम की बैठक में प्रतिभाग कर

डायरिया पर चर्चा की है। इसके अलावा 50 से अधिक छाया ग्रामीण स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस सत्रों का सहयोगात्मक निरीक्षण किया गया है। ग्रामीण एवं शहरी स्वास्थ्य इकाइयों पर ओआरएस व जिंक कार्नर बनवाने का कार्य किया गया है। अब तक 1070 आशा कार्यकर्ताओं, 164 एएनएम व 37 आशा संगिनी का डायरिया पर अभिमुखीकरण पीएसआई इंडिया द्वारा किया जा चुका है। पम्पलेट आदि प्रचार सामग्री (आईईसी) का वितरण भी किया गया है और प्रचार वाहन का संचालन भी छह ब्लॉक तथा नगरीय क्षेत्रों में किया जा चुका है। बैठक में डायरिया रोको अभियान (स्टॉप डायरिया कैंपेन) के दौरान की गई गतिविधियों, जैसे- प्रचार वाहन का संचालन, बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन पर प्रचार-प्रसार पर भी चर्चा हुई। इसके साथ ही पीएसआई इंडिया द्वारा स्तनपान सप्ताह के दौरान की गई गतिविधियों तथा "स्वस्थ नारी - सशक्त परिवार" अभियान में भी सहयोग पर चर्चा हुई।

बैठक में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसीएमओ) डॉ. जयगोविंद, डॉ. सी. के. वर्मा, डॉ. आदित्य वर्मा, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक (डीपीएम) अमरनाथ, डीसीपीएम डॉ. आर. पी. सिंह के अतिरिक्त महिला एवं बाल विकास विभाग, बेसिक शिक्षा, पंचायती राज विभाग के प्रतिनिधियो ने भी प्रतिभाग किया। इस मौके पर पीएसआई इंडिया से अवध कुमार भी उपस्थित रहे।

तीनों मृतक परिवारों को मिलना चाहिए 50-50 लाख

जौनपुर। विधायक डा० रागिनी सोनकर सुशील चन्द्र प्रदेश सचिव सपा तथा उषा जायसवाल प्रदेश सचिव समाजवादी महिला सभा ने संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा कि बीते 25 अगस्त को नगर के मछलीशहर पड़ाव पर बिजली के लोहे के पोल करेंट उतरने तथा नाले जाली न लगे होने के कारण तीन लोगों की मौत हो जाने पर एवाल उठाया। उन्होने कहा कि मछलीशहर पड़ाव स्थित हीरो होण्डा एजेन्सी के बगल में बिजली के खभे में लगभग एक माह से अधिक समय से करेंट उतर रहा था स्थानीय लोगों ने बताया की बिजली के पोल से सटकर एक बकरी तथा एक गाय की मौत हो गयी थी । जिसकी जानकारी बिजली विभाग को दिया लेकिन बिजली विभाग ने उसे ठीक नहीं किया। 25 अगस्त को एक घण्टे के तेज बारिश के कारण शहर में जल निकासी की समुचित व्यवस्था न हो पाने के कारण शहर की लगभग सड़के जलमग्न हो गई।

प्रेमिका के भाई और पिता को फंसाने का था प्लान, इसलिए दोस्त की कर दी हत्या... पुलिस ने किया एनकाउंटर

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। मुरादाबाद पुलिस और हत्यारोपी के बीच मुठभेड़ हो गयी। पुलिस और हत्यारोपी की मुठभेड़ मुठन्हड़ में हुई। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गोली हत्यारोपी की टांग में लगी, जिससे वो घायल हो गया। घायल हत्यारोपी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। उससे पूछताछ करने एसपी क्राइम सुभाष गंगवार अस्पताल पहुंचे और जानकारी ली। हत्यारोपी ने पुलिस को जो जानकारी दी वो सुन सब दंग रह गए।

हत्यारोपी का नाम मनोज है। पाकबड़ा थेना क्षेत्र में बीते दिनों हुई युवक की हत्या कर आरोपी अपने ममेरे भाई के साथ फरार होने की फिराक में था, लेकिन आज पुलिस ने उसको गिरफ्तार कर लिया। एसपी ट्रैफिक सुभाष गंगवार ने बताया कि पाकबड़ा थेना क्षेत्र में आरोपी मनोज ने अपने ममेरे भाई मंजीत के साथ मिलकर प्रेम की राह में आड़े आ रहे

प्रेमिका के भाई और पिता को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया।

शराब पिलाकर मार डाला

आरोपी ने षड्यंत्र रचा और प्रेमिका के भाई व पिता को झूठे मुकदमे में फंसाने की तैयारी की। फिर अपने ममेरे भाई मंजीत के साथ मिलकर मनोज ने प्रेमिका के गांव में रहने वाले अपने दोस्त योगेश को शराब पिलाई और फिर उसकी हत्या कर दी। हत्या करने के बाद मृतक योगेश के फोन से पुलिस को गुमराह करने के लिए सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने तीनों की तलाश की।

पुलिस को देखकर फायरिंग कर दी

इसके बाद मामले को पुलिस ने समझा और फिर अपनी तरह से तहकीकात शुरू की। जांच में दो नाम सामने आए मनोज और मंजीत जो बदायूं के निवासी है। पुलिस दोनों की तलाश में जुटी थी और छानबीन में लगी थी। आज पुलिस को सूचना मिली। पुलिस चेकिंग कर रही थी कि तभी दोनों आरोपी सामने आ गए और पुलिस को देखकर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में पुलिस ने गोली चलाई। इसमें मुख्य आरोपी की टांग में गोली लग गयी। पुलिस ने दूसरे आरोपी को भागकर पकड़ लिया। फिलहाल आरोपी को जिला अस्पताल में भर्ती कर दिया गया, जहां पर उसका इलाज जारी है। आरोपी से पूछताछ भी जारी है। वहीं मृतक के परिवार वाले हत्या को लेकर दुख में हैं।

सोरांव में ट्रक ने 4 लोगों को कुचला, मौत

प्रयागराज। सोरांव थाना क्षेत्र में 4 लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। अलग-अलग परिवार के 8 लोग बोलेरो से वाराणसी से कानपुर जा रहे थे। देर रात उनकी बोलेरो खराब हो गई। रात में गाड़ी बन नहीं सकी, ऐसे में परिवार के लोग सड़क किनारे बोलेरो खड़ी कर उसके आगे ही चादर बिछाकर सो गए।

सोमवार तड़के 4 बजे तेज रफ्तार ट्रक ने बोलेरो में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो के आगे सो रहे 4 लोगों पर चढ़ गई। इसके बाद ट्रक भी रौंदता हुआ निकला। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। जबकि बोलेरो के अंदर बैठे 4 लोगों में से 3 लोग घायल हो गए। वहीं एक बुजुर्ग हादसे में बच गए। हादसा सोरांव थाना क्षेत्र में हुआ।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो बुरी तरह से डैमेज हो गई। सड़क पर खून ही खून बिखर गया। वहां से गुजरने वाले लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

ओम प्रकाश राजभर की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल लेकर पहुंचे ब्रजेश पाठक, अब ऐसी है हालत

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और सुभासपा के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर की रविवार को अचानक तबीयत खराब हो गई, जिसके बाद ओम प्रकाश राजभर को लखनऊ के गोमती नगर स्थित मेदांता अस्पताल में एडमिट कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, उन्हें अचानक ब्लड प्रेशर से और हार्ट से जुड़ी कुछ परेशानी महसूस हुई, जिसके बाद उनके घर और अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल हो गया, जैसे ही ओम प्रकाश राजभर की बिगड़ी तबियत की खबर यूपी के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक को मिली तब वो तुरंत उनका हालचाल जानने के लिए उनके घर पहुंचे।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ओम प्रकाश राजभर के स्वास्थ्य के बारे में जानने के लिए डॉ। राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान पहुंचे।

डिप्टी सीएम ने एक्स पर जानकारी दी कि आज मा० मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार ओम प्रकाश राजभर की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलने पर उन्हें तुरंत डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान ले जाया गया। वहां उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और वे चिकित्सकीय निगरानी में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

OP राजभर का अस्पताल में इलाज जारी

डॉक्टरों के अनुसार, राजभर को माइनर ब्रेन स्ट्रोक आया था। अस्पताल में उनके तुरंत सीटी स्कैन और ब्लड समेत कई जरूरी टेस्ट करवाए गए। फिलहाल उनकी तबियत स्थिर बताई जा रही है। अस्पताल के डॉक्टर उनकी लगातार निगरानी कर रहे हैं। अस्पताल की सुरक्षा को भी बढ़ा दिया गया है।

ओम प्रकाश राजभर के बेटे अरविंद राजभर ने भी उनकी सेहत को लेकर जानकारी शेयर की है। अरविंद राजभर ने फेसबुक पोस्ट के जरिए बचाया कि अब उनके पिता की हेल्थ सुधर रही है। ब्लड प्रेशर और हार्ट संबंधी समस्याया महसूस हो रही थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। आप सभी के प्रेम, आशीर्वाद और शुभकामनाओं से उनकी हेल्थ में अब लगातार सुधार हो रहा है।

खराब हुई गाड़ी तो सड़क किनारे सो गए सुबह में ट्रक ने रौंदा, 4 की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में एक ही परिवार के 4 सदस्यों की जान चली गई। मामले में सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने चार पहिया गाड़ी बोलेरो में टक्कर मार दी जो सड़क किनारे खड़ी थी। बोलेरो के आगे ही यह परिवार चादर बिछाकर सो रहा था। मरने वाले सभी लोग कानपुर के हैं, जिनकी पहचान कर ली गई है।

मामला प्रयागराज के गंगापार में सोरांव थाना क्षेत्र के बिगहिया गांव का है। यहां कानपुर – बनारस हाईवे रोड पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी बोलेरो में टक्कर मार दी। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को प्रयागराज के सरकारी अस्पताल में

इलाज के लिए भर्ती किया गया है।

कैसे हुआ हादसा?

हादसे में सुरक्षित बच गए प्रेम नारायण ने बताया है कि उनका परिवार वाराणसी से कानपुर जा रहा था, लेकिन देर रात उनकी बोलेरो खराब हो गई। रात होने की वजह से कोई मैकेनिक भी आसपास नहीं मिला, जिसकी वजह से सभी लोगों ने वहीं रात काटने का फैसला किया। इसके बाद वे लोग कार के सामने चादर बिछाकर सो गए।

तड़के 4 बजे एक तेज रफ्तार ट्रक वहां से गुजरा और उसने बोलेरो में टक्कर मार दी। टक्कर से बोलेरो आगे सो रहे 7 लोगों पर चढ़ गई। इसके बाद ट्रक भी उन्हें रौंदता हुआ निकल गया। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। जबकि 3 लोग घायल हो गए। वहीं एक युवक हादसे में बच गया। मौके से ट्रैक ड्राइवर फरार हो गया है।

पिंड दान कर गया से लौटा था परिवार

प्रेम नारायण ने बताया है कि वे 7 दिन पहले कानपुर से गया के लिए निकले थे। वहां पूर्वजों का पिंडदान करने के बाद वे सभी रविवार को वाराणसी आए। यहां उन्होंने दर्शन-पूजन किए। इसके बाद वे रात में कानपुर के लिए निकले, लेकिन रास्ते में उनकी गाड़ी खराब हो गई और वहीं सब रुक गए थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ।

मृतकों में कौन?

मृतकों में सुरेश सैनी पुत्र शिव शंकर, सुरेश बाजपई पुत्र कैलाश बाजपेई, सुरेश बाजपई की पत्नी और रामसागर अवस्थी पुत्र जय राम शामिल हैं। जबकि, तीन घायलों में ममता देवी पत्नी प्रेम नारायण, प्रेमा देवी पत्नी सुरेश सैनी और कोमल देवी पत्नी रामसागर अवस्थी कानपुर शामिल हैं।

'आई लव मुहम्मद' लिखे पोस्टर हटवाने पर भड़के आईएमसी नेता, इंस्पेक्टर से बोले- हाथ काट लूंगा

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। बरेली में आई लव मुहम्मद लिखे बैनर पोस्टर हटवाने पर लोगों की पुलिस से तकरार हो गई। शहर के किला थाना क्षेत्र में रविवार को थाना प्रभारी सुभाष कुमार टीम के साथ पहुंचे थे। उन्होंने 'आई लव मुहम्मद' लिखे पोस्टर हटाने की बात कही, जिसका मुस्लिम समाज के लोगों ने विरोध किया। पुलिस से तकरार के बाद मौलाना तौकीर रजा खान की पार्टी इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के नेता डॉ. नफीस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो में डॉ. नफीस कह रहे हैं कि मैंने इंस्पेक्टर को कह दिया कि हाथ काट लूंगा... वर्दी उतरवा दूंगा। यह वीडियो के वायरल होने के बाद किला थाना पुलिस ने डॉ. नफीस के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

प्रेमनगरः इंस्टाग्राम पर भड़काऊ पोस्ट करने का आरोप

प्रेमनगर थाना क्षेत्र के सुर्खा चौधरी तालाब निवासी सलीम रजा ने प्रेमनगर थाने में रिपोर्ट कराई है कि उनके बेटे रिहान घोसी की इंस्टाग्राम आईडी पर श्यामपाल नाम के व्यक्ति ने आपत्तिजनक और भड़काऊ पोस्ट भेजी। इससे मुस्लिम समाज की आस्था को ठेस पहुंची है।

आरोप है कि उसने 21 सितंबर को फोन कॉल कर गालियां दीं। आरोपी ने समाज में नफरत फैलाने की कोशिश की। सलीम रजा का कहना है कि श्यामपाल की हरकतें शहर का माहौल खराब करने और समाज में वैमनस्य फैलाने की कोशिश है। प्रेमनगर थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मामले की जांच शुरू कर दी है।

बिना एक्सरसाइज किए घटाना चाहते हैं वजन, तो आज से ही रखें इन 4 बातों ख्याल

वजन घटाने के लिए लोग तरह-तरह एक्सरसाइज का सहारा लेते हैं लेकिन कुछ लोग बिना कसरत या मेहनत किए ही वजन घटाने की कोशिशों में लगे रहते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से हैं तो ये आर्टिकल आप ही के लिए है। यहां हम बताएंगे कि एक्सरसाइज के अलावा ऐसे कौन-से तरीके हैं जिनकी मदद से वेट लॉस में काफी फायदा पाया जा सकता है।

इस बात में कोई शक नहीं, कि वजन घटाने के लिए वर्कआउट काफी जरूरी होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिना एक्सरसाइज के भी खानपान और रहन-सहन से जुड़ी कुछ बातों का ध्यान रखकर वेट लॉस को आसान बनाया जा सकता है? जी हां, अगर दिनभर की भागदौड़ और काम के बाद अगर आपको भी वर्कआउट के लिए समय नहीं मिल पाता है या थकान के चलते शरीर में इतनी एनर्जी नहीं बचती है, तो परेशान मत होइए, क्योंकि आप इस आर्टिकल में बताई इन 4 बातों का ख्याल रखकर वेट लॉस में फायदा पा सकते हैं। आइए जानें।

अनहेल्दी चीजों से बनाएं दूरी

वेट लॉस के लिए जरूरी है, कि आप सबसे पहले अनहेल्दी चीजों से खुद को दूर रखें। तला-भुना या प्रोसेस्ड फूड खाने के बजाय आप हेल्दी फ्रूट्स और वेजिटेबल्स को अपनी डाइट में शामिल करें। इनमे मौजूद फाइबर से आपका पेट भी काफी देर भरा रहेगा और जल्दी-जल्दी भूख भी नहीं लगेगी।

स्ट्रेस न लें

तनाव यानी स्ट्रेस भी आपके बढ़ते वजन के पीछे एक बड़ी भूमिका निभाता है। बता दें, कि इससे शरीर में शरीर में हार्मोन का बैलेंस खराब हो जाता है और किसी काम में मन नहीं लगने के कारण और ओवरईटिंग का शिकार हो जाते हैं। इसलिए चिंता या तनाव से जितना हो सके, दूर ही रहें।

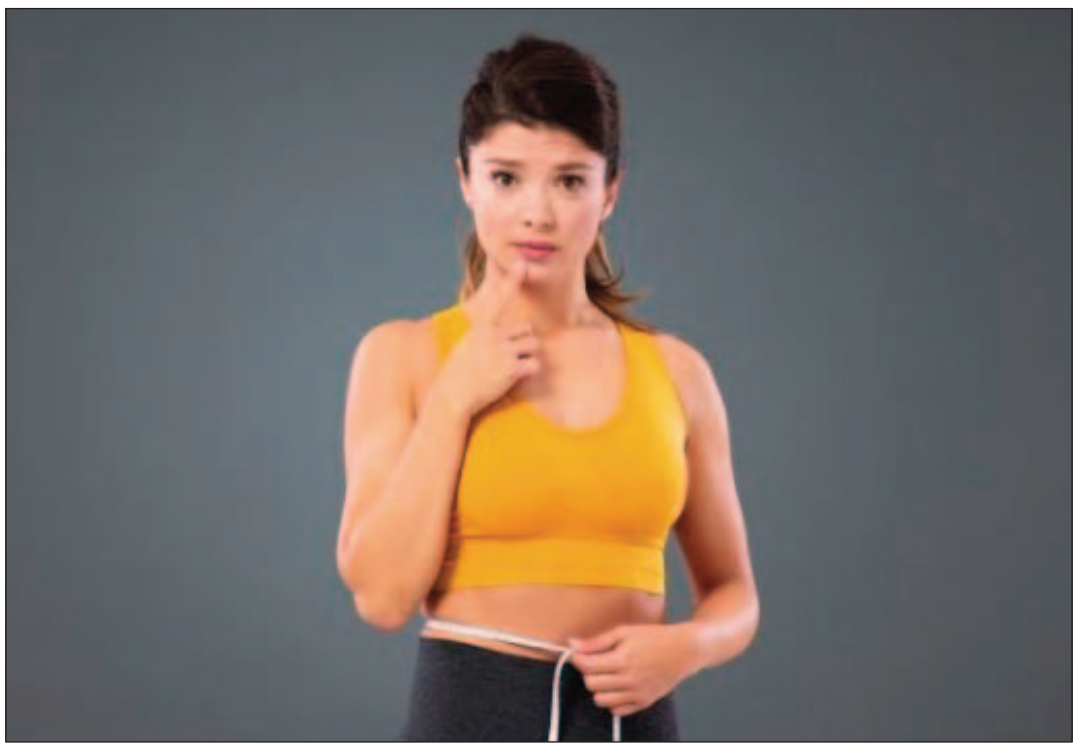

स्नैक्स में हेल्दी खाएं

वजन बढ़ने के पीछे इस बात का भी बड़ा रोल होता है कि आप स्नैक्स में क्या खाते हैं। अगर आप भी इस दौरान बिस्कुट, चिप्स या अन्य प्रोसेस्ड चीजों का सहारा लेते हैं, तो इसे तुरंत छोड़ दें। इसकी जगह आप ड्राई फ्रूट्स और नट्स का सेवन कर सकते हैं।

चीनी कम खाएं

मीठा खाना कई लोगों को पसंद होता है, लेकिन बता दें कि ये आपके वजन को बढ़ाने में बड़ा रोल निभाता है। ऐसे में, अगर आपको भी यह आदत है, तो इस बात का ध्यान रखें कि जितना हो सके, आप डाइट से चीनी को हटा दें। इससे फैट बर्न में काफी मदद मिलती है।

घर की बालकनी और बगीचे को फूलों से सजाना है, तो लगा लें ये पौधे, हर मौसम में रहते हैं खिले-खिले

अगर आपको बागबानी का शौक है तो अपने गार्डन में आपको कुछ ऐसे पौधे लगाने चाहिए जो सालों साल हरे-भरे रहें और आपकी बालकनी फूल से रंग-बिरंगी नजर आए। इसलिए हम कुछ ऐसे पौधों के बारे में बताने वाले हैं जिन्हें आप आसानी से अपने घर की बालकनी और लॉन में उगा सकते हैं। इन्हें उगाने में ज्यादा मेहनत भी नहीं लगती है। आइए जानें इनके बारे में।

छत हो, बालकनी हो या फिर लॉन हो यहां लगे फूल हर किसी को अपनी तरफ आकर्षित करते हैं। ऐसे में अगर अन जगहों पर लगे फूल अगर हर मौसम में खिलने वाले हो, तो घर की शोभा हमेशा ही बढ़ी रहती है। हर प्लांट लवर अपने घर के गार्डन को अपने मन मुताबिक सजाता है, फूलों से लदे पौधों को घर का हिस्सा बनाता है। अक्सर लोग ऐसे लोगों के गार्डन देखकर बहुत खुश होते हैं और चाहते हैं कि उनके गार्डन में भी इस तरह के फूल लगाएं। यदि आप भी चाहते हैं कि आपका गार्डन भी फूलों से भरा हुआ हो, तो हर मौसम में खिलने वाले कुछ फूल के पौधों के बारे में जान सकते हैं।

रंगून क्रीपर (मधुमालती)

मधुमालती नाम से जाना जाने वाला रंगून क्रीपर पौधा दक्षिण पूर्व एशिया का मूल निवासी है। इसका सफेद, गुलाबी, लाल, मैरून कलर और मीठी खुशबू तितलियों को अपनी तरफ आकर्षित करती हैं। यह पौधा साल के 365 दिन खिलने वाला पौधा है, जिसका उपयोग आयुर्वैदिक औषधियों के रूप में भी किया जाता है।

पीस लिली

ये सफेद, गुलाबी या फिर पीले रंग वाले फूल सबके मन को लुभाते हैं। इस पौधे का उपयोग गार्डेनिंग के क्षेत्र में प्राचीन काल से ही वायु को शुद्ध करने, शांति और सुंदरता को बढ़ाने के लिए किया जाता है। यह कम रख रखाव के साथ गमलों में हर मौसम उगाया जाने वाला पौधा है।

मैरीगोल्ड (गेंदा)

पीले, नारंगी और चमकीले रंग के फूलों वाला गेंदे का पौधा हर मौसम आपके गार्डन की खूबसरती को बढ़ाता है। इसलिए आप इनसे अपने गार्डन की शोभा बढ़ाने के लिए लगा सकते हैं।

बेगोनिया

छाया में पनपने वाले इस पौधे को बालकनी में लटकती हुई टोकरियों या फिर कंटेनरों में उगाया जा सकता है। यह पूरे साल खिला रहता है।

पेरीविंकल (सदाबहार)

इस पौधे को भारत में सदाबहार के नाम से जाना जाता है। बारहों महीने खिलने वाले सदाबहार के पौधे को हर जलवायु में आसानी से उगाया जा सकता है। इस पौधे का डायबिटीज और ब्लड प्रेशर के आयुर्वैदिक उपचार में उपायोग काफी लाभदायक होता है।

एलिसम्स

छोटी फूलों के गुच्छों वाले ये पौधे अपनी मीठी सुगन्ध और रंगों से गार्डन की शोभा को बढ़ाते हैं। ये बहुतायत से खिलते हैं और क्यारियों में खाली जगह को भरने का काम करते हैं।

डरपोक बनते हैं बच्चे अगर बचपन में हो जाए इन हालातों का सामना

बच्चे तो लगभग हर नए अनुभव से आमतौर पर डरते हैं। ये एक नेचुरल प्रक्रिया है, लेकिन जब बच्चे अधिक डरपोक बनने लगें, उनका आत्मविश्वास हिलने लगे, वे नए अनुभव और नए माहौल से दूर भागने लगें, तब ये चिंता का विषय बन सकता है। समय रहते इन बातों पर ध्यान दिया जाए तो बच्चे बोल्ड और हिम्मती बनते हैं, लेकिन इनकी अनदेखी उन्हें डरपोक बना सकती है। आइए जानते हैं कि कैसे बच्चे बनते हैं डरपोक-

पेरेंट्स में एंजाग्यटी देखने वाले

जब पेरेंट्स खुद ही एंजाग्यटी से गुजर रहे हों, तो वे बच्चे को खुश और हिम्मती नहीं बना सकते हैं। इसलिए प्रोडक्टिव बनने के लिए पहले पेरेंट्स को ही सेल्फ केयर या मी टाइम निकाल कर खुश और स्वस्थ बनना चाहिए। एंजाग्यटी से पाले गए बच्चे में भी एंजाग्यटी के लक्षण दिखाई दे सकते हैं और फिर ऐसे बच्चे कमजोर और डरपोक बनते जाते हैं।

पेरेंट्स से कनेक्शन टूटने पर

जब पेरेंट्स अपने बच्चे से अच्छे से कनेक्ट नहीं करते हैं, पेरेंट्स बात-बात पर टोकते हैं, तो बच्चे अपनी बातें पेरेंट्स के अलावा किसी और से शेयर करने लगते हैं, जिसका फायदा बाहरी उठा सकते हैं। ऐसे बच्चे भी डरपोक होते जाते हैं और अपने पेरेंट्स से ही खुल कर बात करने में डरते हैं।

कोई बुरा अनुभव झेलने वाले

बच्चे जब जीवन में किसी ऐसे बुरे दौर या अनुभव से गुजरते हैं, जो उनकी उम्र के लिए बहुत ज्यादा होता है, तो उनके दिल और दिमाग में एक डर सा बैठ जाता है। ये अनुभव किसी प्रकार का एब्यूज हो सकता है या फिर किसी अपने को खोने का दर्द भी हो सकता है।

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग से गुजरने वाले

जब पेरेंट्स बच्चे की हर सांस पर नजर रखते हैं और उन्हें गाइड करते रहते हैं, उन्हें रिस्क नहीं लेने देते, सारे कठिन काम खुद ही आसान बना देते हैं, तो ऐसे बच्चे की मानसिकता पेरेंट्स पर निर्भर होने वाली हो जाती है। ये कोई भी नया काम शुरू करने में डरते हैं या फिर किसी भी नई जगह या नए लोगों से मिलने में डरते हैं। इन्हें ऐसी स्थिति को हैंडल करने का सही तरीका ही नहीं सिखाया जाता है, जिसके कारण ये डरपोक बनते जाते हैं।

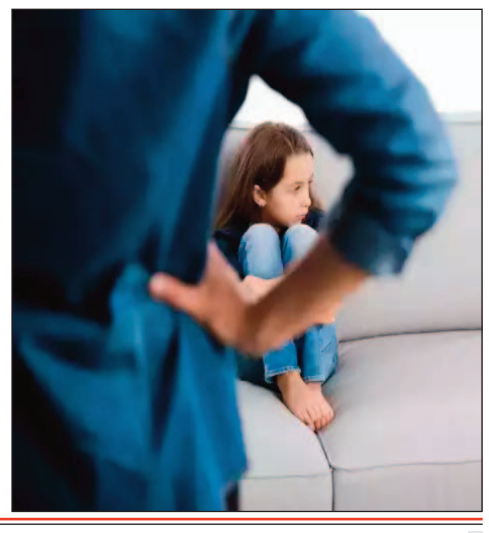

इस सरकारी स्कीम में निवेशक को मिलता है तगड़ा रिटर्न, मैच्योरिटी पर 1 करोड़ पाने के लिए रोज करना होता है बस इतना इन्वेस्ट

वर्तमान में निवेश के लिए कई सरकारी स्कीम मौजूद है। अगर आप एक ऐसी स्कीम की तलाश कर रहे हैं जहां हाई रिटर्न के साथ टैक्स बेनिफिट मिले तो आप पीपीएफ में निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम में आपको मैच्योरिटी पर 1 करोड़ से ज्यादा की राशि मिल सकती है। आइए इस स्कीम के बारे में विस्तार से जानते हैं।

करोड़पति बनने का हर किसी का सपना होता है। इसके लिए कई लोग जॉब के साथ ही निवेश करना शुरू कर देते हैं। वर्तमान में निवेश के कई ऑप्शन मौजूद हैं, जिसमें ज्यादा रिटर्न मिल रहा है।

अगर आप भी कोई सिक्योर सेविंग स्कीम की तलाश कर रहे हैं तो आज हम आपको सरकार द्वारा चलाई जा रही पीपीएफ स्कीम के बारे में बताएंगे।

इस स्कीम में कोई रिस्क नहीं है और इस पर उच्च ब्याज भी मिलता है। अगर आप इस स्कीम में रोजाना 405 रुपये का निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी के बाद 1 करोड़ रुपये भी मिल सकते हैं।

पीपीएफ पर मिलता है शानदार ब्याज

बैंक और पोस्ट ऑफिस में फिक्स्ड डिपॉजिट की तुलना में पीपीएफ स्कीम में ज्यादा ब्याज मिलता है। वर्तमान में सरकार इस स्कीम में 7.1 फीसदी की दर से ब्याज दे रही है। सरकार द्वारा इस स्कीम पर चक्रवृद्धि ब्याज दिया जाता है। हर कारोबारी साल के आखिरी महीने यानी मार्च में निवेशक के पीपीएफ अकाउंट में ब्याज का भुगतान होता है।

कितना करना होता है निवेश

पीपीएफ के वेबसाइट के अनुसार इस स्कीम में सालाना न्यूनतम 500 रुपये का निवेश और अधिकतम 1.5 लाख रुपये का निवेश कर सकते हैं। अगर कोई निवेशक पूरे वित्त वर्ष में निवेश नहीं करता है तो पीपीएफ अकाउंट फ्रीज हो जाता है। अकाउंट को दोबारा शुरू करने के लिए निवेशक को निवेश राशि के साथ पेनल्टी का भी भुगतान करना होता है।

टैक्स बेनिफिट का मिलता है फायदा

इस योजना की खास बात है कि यह पूरी तरह से टैक्स फ्री है। इसमें निवेश राशि, ब्याज और मैच्योरिटी के बाद मिलने वाले अमाउंट पर टैक्स नहीं लगता है। इसके अलावा इस स्कीम में इनकम टैक्स की धारा 80C के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स छूट भी मिलती है।

कितने साल में मैच्योर होती है स्कीम

इस स्कीम में निवेशक को 15 साल तक निवेश करना होता है। इसका मतलब है कि स्कीम का मैच्योरिटी पीरियड (PPF Maturity Period) 15 साल का होता है। निवेश चाहे तो मैच्योरिटी पीरियड के बाद भी निवेश को जारी रख सकता है। हां, निवेशक पीएफ अकाउंट को 5-5 साल के लिए एक्सटेंड कर सकता है। इसके लिए उसे मैच्योरिटी से एक साल पहले आवेदन देना होगा।

मैच्योरिटी से पहले कर सकते हैं निकासी

पीपीएफ स्कीम में निवेशक मैच्योरिटी से पहले भी आंशिक निकासी कर सकते हैं। निवेशक आपात स्थिति में पीएफ अकाउंट में जमा राशि में से 50 फीसदी निकाल सकता है। हालांकि, जब पीएफ अकाउंट को 6 साल हो जाए उसके बाद ही आंशिक निकासी की जा सकती है। यहां तक कि पीएफ अकाउंट में 3 साल तक निवेश के बाद लोन भी लिया जा सकता है। निवेशक को पीएफ अकाउंट में जमा राशि का 25 फीसदी ही लोन मिलता है। लोन की रिपेमेंट टेन्योर 36 महीने का होता है और इस पर 2 फीसदी का ब्याज लगता है।

पीपीएफ स्कीम से कैसे बन सकते हैं करोड़पति?

पीपीएफ स्कीम एक तरह से करोड़पति स्कीम है। अगर निवेशक हर दिन 405 रुपये का निवेश करता है तो वह सालाना 1,47,850 रुपये का निवेश करेगा। अगर वह 25 साल तक अकाउंट में निवेश करता है और उसे 7.1 फीसदी का ब्याज मिलता है तो उसे मैच्योरिटी के वक्त 1 करोड़ रुपये से ज्यादा राशि मिलेगी।

लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस को जीएसटी के दायरे से बाहर कर दिया गया है। ये नियम आज यानी 22 सितंबर से लागू हो गया है। अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या ये नियम सभी पर लागू होगा। या फिर इस फायदे से कुछ लोगों को महरूम रखा गया है। आइए समझने की कोशिश करते हैं।

इंश्योरेंस अब 18 फीसदी सस्ता, फिर भी इन पॉलिसीहोल्डर्स नहीं होगा फायदा

जीएसटी काउंसिल का लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स को जीरो करने का फैसला फैसला आज यानी, 22 सितंबर, 2025 से लागू हो गया है। इसे 'दिवाली का तोहफा' बताते हुए, सरकार ने लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसीज सहित अधिकांश प्रोडक्ट्स और सर्विसेज पर जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) की दरें कम कर दी हैं। इंश्योरेंस पॉलिसीज पर पहले 18 फीसदी जीएसटी लगता था और आज से ये टैक्स फ्री हो चुके हैं। इस कदम का सीधा असर लाखों इंश्यायेरेंस कस्टमर्स पर पड़ेगा। लेकिन हर पॉलिसी होल्डर के मन में एक सवाल है: क्या इसका लाभ सभी को मिलेगा? इसका जवाब है नहीं। कुछ पॉलिसियों को अभी भी इस छूट का लाभ नहीं मिलेगा। आइए समझते हैं क्यों।

मौजूदा पॉलिसीधारकों को कब मिलेगा लाभ?

अगर आपके पास पहले से कोई पॉलिसी है, तो यह छूट केवल भविष्य के प्रीमियम पर ही लागू होगी। इसका मतलब है कि 18 फीसदी जीएसटी छूट केवल तभी लागू होगी जब आप 22 सितंबर के बाद अपना अगला प्रीमियम भरेंगे। हालांकि, पुराने या पहले चुकाए गए प्रीमियम पर कोई लाभ नहीं मिलेगा।

क्या पॉलिसी की शर्तें बदल जाएंगी?

नहीं। जीएसटी हटने से आपकी पॉलिसी के नियम, शर्तें या लाभ नहीं बदलेंगे। फर्क बस इतना है कि आपको कम प्रीमियम देना होगा। क्या आपने पहले ही 3 साल का जीएसटी-सहित प्रीमियम एडवांस ग्रिम भुगतान कर दिया है? तब क्या फायदा मिलेगा या नहीं। अगर आपने 2 या 3 साल का जीएसटी-सहित प्रीमियम अग्रिम भुगतान कर दिया है, तो आपके लिए एक निराशाजनक खबर है। एसबीआई जनरल इंश्योरेंस की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों के अनुसार, एडवांस प्रीमियम पर चुकाया गया जीएसटी वापस नहीं किया जाएगा। इसका मतलब है कि अगर आपने पहले ही 3 साल का प्रीमियम चुका दिया है और उस पर जीएसटी लगाया गया है, तो आपको रिफंड नहीं मिलेगा।

जीएसटी दरों में कटौती पर जानकारों का क्या कहना है?

रीन्यूबाय के को-फाउंडर और सीईओ बालचंदर शेखर एफई की रिपोर्ट में कहते हैं कि जीएसटी शून्य हो जाने के साथ, सभी पर्सनल लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस पर जीएसटी की छूट परिवारों, विशेष रूप से सीनियर सिटीजंस के लिए कॉस्ट कम करेगी, जिससे बीमा अधिक किफायती और सुलभ हो जाएगा। इसी प्रकार, सभी पर्सनल लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसीज-जिसमें टर्म लाइफ, यूलिप या एंडोमेंट पॉलिसीज शामिल हैं-पर जीएसटी हटाने से इंश्योरेंस की रीच बढ़ेगी, खासकर पहली बार बीमा खरीदने वालों और मध्यम आय वाले परिवारों के बीच, और देश को 2047 तक सभी के लिए बीमा की दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। जीएसटी छूट निश्चित रूप से एक ऐतिहासिक और प्रगतिशील कदम है। यह भविष्य में आम आदमी के लिए इंश्योरेंस को और अधिक किफायती और सुलभ बनाएगा। लेकिन याद रखें – पुराने प्रीमियम या एडवांस पेमेंट पर कोई वापसी नहीं होगी। इसका मतलब है कि असली राहत आगामी प्रीमियम से ही शुरू होगी।

ट्रंप के टैरिफ के बाद पहली बार आमने-सामने होंगे जयशंकर-रुबियो; व्यापार और सुरक्षा पर रहेगा फोकस

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की हलचल के बीच भारत और अमेरिका के शीर्ष अधिकारी आज आमने-सामने बैठने जा रहे हैं। अमेरिकी एडवाइजरी के अनुसार, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की यह बैठक न्यूयॉर्क में भारतीय समयानुसार देर रात करीब 8.30 पर होगी। भारत-अमेरिका रिश्ते बीते कुछ महीने में कई उतार-चढ़ाव से गुजरे हैं, लेकिन दोनों देशों ने हमेशा रिश्तों को आगे बढ़ाने की कोशिश की है।

जयशंकर और रुबियो की यह मुलाकात आने वाले महीनों में व्यापार और कूटनीतिक समीकरण तय करने में अहम भूमिका निभा सकती है। यह बैठक खास इसलिए

है क्योंकि ट्रंप सरकार द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद यह दोनों देशों के शीर्ष प्रतिनिधियों की पहली सीधी वार्ता होगी। इस कदम से दोनों देशों के बीच व्यापार संतुलन बिगड़ा था और तनाव की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में दोनों पक्षों की कोशिश रहेगी कि बातचीत से हल निकले।

इस साल की तीसरी मुलाकात

यह इस साल दोनों नेताओं की तीसरी आमने-सामने बैठक होगी। जनवरी में जयशंकर ने रुबियो से वॉशिंगटन में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान पहली बार बैठक की थी। इसके बाद जुलाई में दोनों की मुलाकात फिर वॉशिंगटन में दूसरी क्वाड बैठक में हुई। वहीं, तीसरी मुलाकात यानी आज की चर्चा में व्यापार, सुरक्षा और रणनीतिक सहयोग पर जोर दिए जाने की उम्मीद है।

व्यापार वार्ता की पृष्ठभूमि

भारत और अमेरिका के बीच आज ही अलग से व्यापार वार्ता भी हो रही है। माना जा रहा हैं कि जयशंकर-रुबियो की बैठक इस वार्ता को मजबूती दे सकती है। व्यापार घाटा, निवेश और टैरिफ कटौती जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। भारत साफ कर चुका है कि टैरिफ का बोझ उसके उद्योग और निर्यातकों पर भारी पड़ रहा है।

इस मुलाकात को लेकर यह भी कहा जा रहा है कि बैठक केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहेगी। हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा, इस्राइल-फलस्तीन संघर्ष के असर और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला जैसे मुद्दे भी चर्चा में आ सकते हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत उसकी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करे। वहीं भारत संतुलित दृष्टिकोण बनाए रखना चाहता है।

'एक दिन पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर कहेगा– मैं भी भारत हूं..', मोरक्को में बोले राजनाथ सिंह

रबात (मोरक्को), एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को भरोसा जताया कि भारत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को बिना किसी आक्रामक कदम के वापस हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि अब वहां के लोग खुद ही मौजूदा शासन से आजादी की मांग कर रहे हैं। राजनाथ सिंह मोरक्को में भारतीय समुदाय को संबोधित कर रहे थे।

अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा, पीओके तो अपने आप हमारा हो जाएगा। आपने सुना होगा कि वहां अब आवाजें उठ रही हैं, नारे लग रहे हैं। रक्षा मंत्री ने बताया कि उन्होंने पांच साल पहले भी ऐसी ही बात कही थी, जब वह जम्मू-कश्मीर में भारतीय सेना के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, मैं पांच साल पहेल कश्मीर घाटी में सेना के एक कार्यक्रम में बोल रहा था। तब भी मैंने कहा था कि हमें पीओके पर हमला करके कब्जा करने की जरूरत नहीं होगी। वह तो पहले से हमारा है। पीओके खुद कहेगा- मैं भी भारत हूं। वो दिन जरूर आएगा।

राजनाथ सिंह का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब कई लोग सरकार पर आरोप लगा रहे हैं कि उसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पीओके पर कब्जा करने का मौका गंवा दिया है। यह सैन्य अभियान सात मई को शुरू हुआ था, जिसमें भारत ने कई पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को मार गिराया था। इसके अलावा, पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कई सैन्य ठिकानों को तबाह किया गया था। यहीं नहीं पाकिस्तानी के कई एयरबेस भी ध्वस्त किए गए थे। इसके बाद विपक्ष के कई नेताओं ने सरकार की आलोचना की थी कि जब भारत को संघर्ष में बढ़त मिली हुई थी, तब संघर्षविराम को क्यों स्वीकार किया गया।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह इन दिनों दो दिन के मोरक्को दौरे पर हैं, जहां वह टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की नई

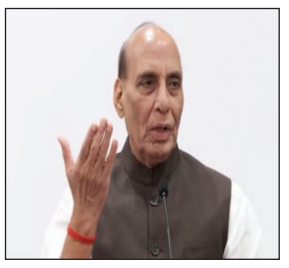

निर्माण इकाई का शुभारंभ करेंगे। इस इकाई में आठ पहियों वाला बख्तरबंद सैन्य वाहन तैयार किया जाएगा। यह अफ्रीका में भारत की पहली रक्षा निर्माण इकाई होगी। यह पहली बार है, जब कोई भारतीय रक्षा मंत्री मोरक्को की यात्रा पर गया है। उन्होंने इस मौके को भारत की रक्षा निर्माण क्षमता के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय प्रभाव का एक अहम पड़ाव बताया है।

'भारत कुछ कहता है तो ध्यान से सुनती है दुनिया'

भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हमारा भारत के प्रति समर्पण, स्नेह और प्रेम स्वाभाविक है। हम दुनिया में कहीं भी रहें, यह नहीं भूलना चाहिए कि हम भारतीय हैं। भारतीय होने के नाते हमारी जिम्मेदारियां भी दूसरों से अलग होती हैं। अगर हम मोरक्कों में अपनी रोजी-रोटी कमा रहे हैं अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं, तो मोरक्को के साथ कोई बेईमानी नहीं होनी चाहिए, यही भारत का स्वभाव है। उन्होंने कहा, मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि आप सभी भार की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती प्रतिष्ठा को महसूस कर पा रहे हैं। पहले जब भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कुछ कहता था, तो उसे गंभीरता से नहीं लिया जाता था। लेकिन आज भारत कुछ कहता है, तो पूरी दुनिया ध्यान देती है और सुनती है। पहले ऐसा नहीं था। तमाम वैश्विक और भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद भारत आज दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

'स्टार्टअप्स और नवाचार का वैश्विक केंद्र बन रहा भारत'

राजनाथ सिंह ने कहा, भारत स्टार्टअप्स और नवाचारों का एक वैश्विक केंद्र बनता जा रहा है। 2014 में केवल 500 स्टार्टअप थे और आज यह संख्या बढ़कर 1.60 लाख हो गई है। 2014 में जहां केवल 18 यूनिकॉर्न थे, आज उनकी संख्या बढ़कर 118 हो गई है।

ऑपरेशन सिंदूर पर रक्षा मंत्री ने क्या कहा?

रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, क्या पार्ट-2 या पार्ट-3 होगा, यह कहना मुश्किल है। यह पाकिस्तान के व्यवहार पर निर्भर करता है। अगर वह आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त रहता है, तो उसे जवाब मिलेगा। पहलगाम में हमारे 26 लोग मारे गए थे। इससे पहले उनसे उनका धर्म पूछा गया था। मैंने 23 अप्रैल को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस), तीनों सेनाओं के प्रमुखों और रक्षा सचिव के साथ बैठक में पहला सवाल पूछा था कि अगर सरकार ऐसा फैसला लेती है तो क्या वे इस ऑपरेशन के लिए तैयार हैं। इसके बाद हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संपर्क किया। उन्होंने हमें आगे बढ़ने की पूरी छूट दी। आपने देखा होगा उसके बाद क्या हुआ। सीमा पर नहीं, हमने उनके अंदर सौ किलोमीटर तक आंतक के ठिकाने नष्ट कर दिए। जैश-ए-मोहम्मद के एक शीर्ष आतंकवादी ने कहा कि भारत के हमले में मसूद अजहर का परिवार बिखर गया। फिर पाकिस्तान ने युद्धविराम की मांग की और हम सहमत हो गए।

टेक–हेल्थकेयर और फाइनेंस में भारतीय सबसे बड़े हिस्सेदार, अर्थव्यवस्था में है 600 अरब डॉलर से अधिक का योगदान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की संख्या भले ही कुल जनसंख्या का केवल 1.5% यानी करीब 45 लाख हो, लेकिन उनका योगदान अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अनुपात से कहीं ज्यादा है। यूएस सेंसस ब्यूरो और पीयू रिसर्च सेंटर के अनुसार भारतीय-अमेरिकी परिवारों की औसत सालाना आय लगभग 1,40,000 डॉलर है, जो अमेरिकी औसत का दोगुना है। अनुमान है कि भारतीय मूल के लोगों का वार्षिक योगदान अमेरिकी अर्थव्यवस्था में 600 अरब डॉलर से अधिक है। इनका सबसे ज्यादा प्रभाव टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, फाइनेंस और उद्यमिता के क्षेत्रों में दिखाई देता है।

नेशनल फाउंडेशन फॉर अमेरिकन पॉलिसी (एनएफएपी) के अनुसार अमेरिकी स्टार्टअप्स में से एक-तिहाई यूनिकॉर्न भारतीय मूल के संस्थापकों द्वारा स्थापित किए हैं। टेक्नोलॉजी सेक्टर में भारतीय-अमेरिकियों की सबसे अधिक मौजूदगी है। भारतीय मूल के जय चौधरी की साइबर सिक्योरिटी कंपनी जीस्केलर की मार्केट वैल्यू करीब 25 अरब डॉलर है। साल 2024 में इसका वार्षिक राजस्व लगभग 2 अरब डॉलर रहा और कंपनी में 6,000 से अधिक कर्मचारी काम कर रहे हैं। भारतीय मूल के ही थॉमस कुरियन ने गूगल क्लाउड के प्रमुख रहते हुए कंपनी को तेजी से आगे बढ़ाया। साल 2024 में गूगल क्लाउड की कमाई 36 अरब डॉलर से अधिक रही और इसके कर्मचारियों की संख्या 65,000 से ज्यादा है। इसी तरह अरुण सरीन, जो वोडाफोन के पूर्व सीईओ रहे हैं, अपने कार्यकाल में कंपनी का वार्षिक टर्नओवर 50 अरब डॉलर से अधिक तक ले गए और लाखों कर्मचारियों का प्रबंधन किया।

अमेरिकी जीडीपी में भारतीयों का योगदान 2 फीसदी से अधिक भागीदार

1965 के इमिग्रेशन एंड नेशनलिटी एक्ट के बाद भारतीय पेशेवरों का अमेरिकी जीडीपी में केवल 0.1–0.2% था। 1990 में अमेरिकी आईटी सेक्टर में बूम आया और एच-1बी वीजा के जरिए बड़ी संख्या में भारतीय पहुंचे। इस दौरान योगदान बढ़कर 0.8–1% तक पहुंचा। सिलिकॉन वैली में भारतीय उद्यमियों और स्टार्टअप्स ने मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। पिछले एक दशक यानी 2015 से 2025 के बीच प्रवासी भारतीयों ने उद्यमिता क्षेत्र में बढ़-चढ़कर योगदान दिया। आज अमेरिका की जीडीपी लगभग 25 ट्रिलियन डॉलर है और भारतीय मूल के लोगों का अनुमानित आर्थिक योगदान 450 से 600 अरब डॉलर सालाना है यानी हिस्सेदारी 2% से अधिक पहुंच गई है।

हेल्थकेयर और फार्मा

भारतीय मूल के उद्योगपति रोमेश वधवानी की कंपनियां सिम्फनी टेक्नोलॉजी ग्रुप और सिम्फनी एआई हेल्थकेयर, हेल्थकेयर और टेक्नोलॉजी के संगम पर काम करती हैं। इनकी पोर्टफोलियो वैल्यू 10 अरब डॉलर से अधिक है। समूह का वार्षिक टर्नओवर 3 से 4 अरब डॉलर के बीच है और इसमें 20,000 से ज्यादा कर्मचारी कार्यरत हैं। दूसरी ओर, भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी ने रोइवांट साइंसेज की स्थापना की, जो बायोटेक और दवा विकास में सक्रिय है। कंपनी का वार्षिक टर्नओवर लगभग 600 मिलियन डॉलर है और इसमें 1,000 से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। कुल मिलाकर भारतीय मूल के उद्यमियों ने अमेरिका में 100 अरब डॉलर से अधिक का वार्षिक कारोबार खड़ा किया है और प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से 20 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दिया है।सबसे बड़ा योगदान टेक्नोलॉजी और फाइनेंस सेक्टर से आता है, जिन्हें अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है।

फाइनेंस और निवेश

भारतीय मूल के शैलेंद्र सिंह वैश्विक वेंचर कैपिटल फंड सीक्वोया कैपिटल इंडिया-यूएस से जुड़े हैं। उनके प्रबंधन के तहत 80 अरब डॉलर से अधिक की संपत्ति है।

नाथन खोटारी, जो रियल एस्टेट और मल्टी-बिजनेस वेंचर्स से जुड़े हैं, की संपत्ति का आकार 1 से 1.5 अरब डॉलर के बीच आंका जाता है। उनके कारोबार ने अमेरिका में हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार दिया है।

मैं ब्राह्मण जाति का हूं, भगवान की कृपा है कि...आरक्षण को लेकर क्या बोले नितिन गडकरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में आरक्षण को लेकर बयान दिया। नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बयान दिया। दरअसल, गडकरी खुद ब्राह्मण समुदाय से आते हैं। इसी पर उन्होंने बात करते हुए मजाकिया लहजे में कहा कि परमेश्वर ने उन पर सबसे बड़ा उपकार यह किया कि ब्राह्मणों को आरक्षण नहीं मिला।

नितिन गडकरी ने कहा, मैं हमेशा हंसी मजाक में कहता हूं कि मैं ब्राह्मण जाती का हूं और परमेश्वर ने हम पर सबसे बड़ा उपकार यह किया कि हमें आरक्षण नहीं मिला। गडकरी ने आरक्षण को लेकर आगे बात करते हुए कहा, महाराष्ट्र में ब्राह्मणों का महत्व नहीं है, लेकिन उत्तर प्रदेश और बिहार में ब्राह्मण का महत्व खूब है। जैसे, महाराष्ट्र में मराठाओं का महत्व है, वैसे उत्तर प्रदेश और बिहार में ब्राह्मणों का महत्व है। मैं जब वहां जाता हूं, दुबे, त्रिपाठी , मिश्रा शक्तिशाली होते हैं। जैसे महाराष्ट्र में मराठा जाति महत्वपूर्ण है वैसे ही वो दोनों राज्यों में महत्वपूर्ण हैं। मैं उनसे कहता हूं कि मैं जातिवाद को नहीं मानता, कोई भी व्यक्ति जाति, धर्म या भाषा से महान नहीं होता है बल्कि गुणों से महान होता है।

आरक्षण न मिलना भगवान का आशीर्वाद

गडकरी ने आरक्षण को लेकर आगे बात करते हुए कहा, आरक्षण नहीं मिलने से उन्हें उद्यमी बनने की प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा, मैं अक्सर कहता हूं कि आरक्षण का फायदा नहीं मिलना भगवान का सबसे बड़ा आशीर्वाद था। नहीं तो, मैं किसी बैंक में क्लर्क बन जाता या ज्यादा से ज्यादा क्लास 1 का अधिकारी बन पाता। मैंने बहुत पहले माता-पिता से यह कह दिया था कि मैं नौकरी देने वाला बनूंगा, नौकरी मांगने वाला नहीं। मैं फिर बाद में बिजनेस में आया और अब 15,000 लोगों को रोजगार देता हूं।

सांस्कृतिक निरक्षरता सबसे बड़ी चुनौती: प्रो.संजय द्विवेदी

'भारतबोध, भारतीयता और हिंदी पत्रकारिता' विषय पर संगोष्ठी

भिलाई (छत्तीसगढ़)। भारतीय जन संचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक प्रो.संजय द्विवेदी का कहना है कि गहरी सांस्कृतिक निरक्षरता और संवेदनहीनता ने समाज के सामने गंभीर संकट खड़े किए हैं, जिसमें मीडिया की विश्वसनीयता का मुद्दा भी शामिल है। सच के साथ खड़ा रहना कभी आसान नहीं था। किंतु समय ऐसे ही नायकों को इतिहास में दर्ज करता है, जो समाज का दर्द दूर करने के लिए सच के साथ खड़े होते हैं। वे यहां वसुंधरा संस्था द्वारा आयोजित 'भारतबोध, भारतीयता और हिंदी पत्रकारिता' विषय पर आयोजित संगोष्ठी को मुख्यवक्ता की आसंदी से संबोधित कर रहे थे।

छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी मंत्री श्री गजेन्द्र यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस संगोष्ठी में प्रतिष्ठित स्तंभकार श्री अनंत विजय, छत्तीसगढ़ साहित्य अकॉदमी के अध्यक्ष श्री शशांक शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार विश्वेश

ठाकरे अतिथि वक्ता के रूप में शामिल थे। प्रोफेसर द्विवेदी ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता का 200 सालों का इतिहास रचना, सृजन और संघर्ष का इतिहास है। हमारे यशस्वी संपादकों-पत्रकारों के बहुत गहरे मूल्यबोध और भाषा की सेवा से हिंदी की दुनिया सर्वव्यापी हुई है। मीडिया विहीन समाज के कभी लोकतांत्रिक चेतना का वाहक नहीं हो सकता।

विश्वसनीयता है पत्रकारिता का आधारः यादव

मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि आधुनिक पत्रकारिता में विश्वनीयता पर जोर देने की आवश्यकता है। उन्होंने झीरम घाटी की घटना तथा डीमरापाल (जगदलपुर) में

आयोजित स्काउट्स एवं गाईड जम्बुरी का जिक्र करते हुए कहा कि पत्रकारिता में नकारात्मक खबरों का स्थान कम होना चाहिए। सकारात्मक खबरों पर विशेष फोकस होना चाहिए। उन्होंने रायपुर-दुर्ग फोरलेन सड़क निर्माण व तत्कालीन कलेक्टर द्वारा मीडिया से की गई अपील का जिक्र करते हुए कहा कि एक नकारात्मक समाचार समाज को विचलित करता है। वहीं सकारात्मक समाचार से समाज प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथे स्तंभ होने के नाते समाज को दिशा देने का का काम करता है। मंत्री श्री यादव ने कहा कि देश में अमृतकाल चल रहा है, यह सही मायने में भारत, भारतीय और हिन्दु संस्कृति का अमृतकाल है।

श्री अनंत विजय ने कहा कि भारतेन्दु हरिश्चंद्र ने हिंदी भाषा के विकास में बहुत महत्वपूर्ण योगदान किया। उनके अलावा भी कई लोग थे जिन्होंने हिंदी के लिए अपनी जिंदगी खपा दी। आज अगर हिंदी पत्रकारिता की धमक वैश्विक स्तर पर महसूस की जा रही है तो उनको याद करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता हो या सिनेमा हमें वही समाज को परोसना चहिए जिसमें देश व समाज का हित हो।

इस अवसर अतिथियों ने हिन्दी पत्रकारिता पर केन्द्रित 'कृति बहुमत' के विशेष अंक तथा छत्तीसगढ़ की हिन्दी पत्रकारिता नींव के पत्थर विषय पर आधारित 'कृति वसुन्धरा' के अंक का लोकार्पण किया। कार्यक्रम के संयोजक श्री विनोद मिश्र ने आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार लेखिका श्वेता उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्रीमती रमशीला साहू हेमचंद विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजय तिवारी, विधायक श्री ललित चन्द्राकर एवं अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

इन बॉलीवुड गानों के बिना अधूरा है नवरात्रि का पर्व, सुनकर डांडिया-गरबा उत्सव में झूमने लगते हैं लोग

नवरात्रि का त्योहार आते ही डांडिया और गरबा उत्सव के मौके पर बजने वाले बॉलीवुड गाने भी याद आने लगते हैं। कुछ ऐसे ही गानों के बारे में आपको बताते हैं।

नवरात्रि का पर्व जैसे-जैसे नजदीक आता है, वैसे-वैसे दिलों में गरबा और डांडिया की धुनें गूंजने लगती हैं। यह त्यौहार मां दुर्गा की भक्ति का प्रतीक है, लेकिन इसके साथ ही यह संगीत और नृत्य से भी जुड़ा हुआ है। बॉलीवुड ने हमेशा ही नवरात्रि के रंग को और भी खास बनाया है। कई फिल्मों के गाने आज भी गरबा नाइट्स और डांडिया उत्सव में बजते हैं और माहौल को रोमांचक बना देते हैं। आइए जानते हैं उन गानों के बारे में जिनके बिना नवरात्रि की रात अधूरी मानी जाती है।

ढोल बाजे ढोल

जब गरबा नाइट की शुरुआत करनी हो तो सलमान खान और ऐश्वर्या राय की फिल्म हम दिल दे चुके सनम के 'ढोल बाजे ढोल' से बेहतर गाना शायद ही कोई हो। इस गाने की बीट्स और पारंपरिक संगीत माहौल को जोश से भर देता है। जैसे ही ढोल की थाप सुनाई देती है, लोगों के कदम खुद-ब-खुद डांस के लिए थिरक उठते हैं। नवरात्रि के उत्सव में यह गाना हमेशा ही पहली पसंद रहता है।

शुभारंभ

सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म 'काई पो छे' का यह गाना नवरात्रि का पर्याय बन चुका है। शुभारंभ गाने की धुन और बोलों में जो पारंपरिकता और उत्साह झलकता है, वह लोगों को भक्ति और आनंद दोनों का एहसास कराता है। चाहे कॉलेज के फेस्ट हों या मोहल्ले का डांडिया उत्सव, इस गाने के बिना कोई भी आयोजन अधूरा लगता है।

ओढ़नी ओढ़ूं

राजकुमार राव और मौनी रॉय पर फिल्माया फिल्म 'मेड इन चाइना' का यह गाना खासतौर पर डांडिया नाइट्स की शान है। खासकर महिलाएं इस गाने पर गरबा घूमते हुए त्योहार को और भी रंगीन बना देती हैं।

छोगाड़ा तारा

'लवयात्री' फिल्म का छोगाड़ा तारा बीते कुछ वर्षों में नवरात्रि का सबसे बड़ा हिट गाना बन गया। इस गाने ने युवाओं को ऐसा दीवाना बनाया कि यह हर डांडिया नाइट का फेवरेट बन गया। इसके बोल और संगीत दोनों में जो ऊर्जा है, वह इसे बाकी गानों से अलग पहचान देता है।

नगाड़े संग ढोल

फिल्म 'गोलियों की रासलीला रामलीला' का यह गाना नवरात्रि की भव्यता को और भी बढ़ा देता है। रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण पर फिल्माया गया यह गाना न केवल सिनेमाई जादू का उदाहरण है बल्कि नवरात्रि की महफिल में भी यह गाना जोश और जुनून का रंग भर देता है। डांडिया की थाप और नगाड़े की गूंज इसे हर किसी की प्लेलिस्ट का हिस्सा बना देती है।

एक साथ दिखी 'लव एंड वॉर' की जोड़ी, फैंस बोले- रणबीर-विक्की को 'अंदाज अपना-अपना 2' में करो कास्ट

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर और विक्की कौशल हाल ही में म्यूजिकल 'मेरा देश पहले' के प्रीमियर में स्पॉट हुए। दोनों सितारे ब्लैक कलर की क्लासी आउटफिट्स में ट्विनिंग करते नजर आए और दोनों के बीच की दोस्ती ने लोगों का ध्यान खींचा।

प्रीमियर के दौरान रणबीर और विक्की ने कैमरे को एक साथ पोज दिए। फॉर्मल ब्लैक सूट में दोनों ने साथ में कई पिक्चर्स क्लिक कराए। इस दौरान दोनों का फ्रेंडली अंदाज और मजाक-मस्ती भी खूब देखने को मिला। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में फैंस लगातार उनकी तारीफ कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

सोशल मीडिया पर दोनों स्टार्स का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। आपको बता दें दोनों जल्द गी संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में एक साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म में आलिया भट्ट भी नजर आने वाली हैं। रणबीर-विक्की को एक साथ देखकर फैंस ने कई कमेटंस किए। एक यूजर ने लिखा- दोनों को अंदाज अपना-अपना 2 में कास्ट करो। वहीं एक और यूजर ने लिखा- दोनों में बहुत याराना लगता है।

फिल्म 'लव एंड वॉर' की कहानी

फिल्म युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित एक गहरी प्रेमकहानी पेश करेगी। कहानी में दो आर्मी ऑफिसर्स के बीच का संघर्ष दिखाया जाएगा, जो एक लव ट्राइंगल का हिस्सा बनते हैं। फिल्म में रणबीर और विक्की आमने-सामने होंगे, जहां उनके बीच कई तीखे टकराव और इमोशनल ड्रामे देखने को मिलेंगे। आलिया के अलावा दीपिका पादुकोण भी इसमें अहम किरदार निभा रही हैं। माना जा रहा है कि उनकी मौजूदगी फिल्म को और भी प्रभावशाली बनाएगी।

संजय लीला भंसाली का बयान

फिल्म को लेकर यह भी कयास लगाए जा रहे थे कि यह किसी पुराने क्लासिक की रीमेक है। लेकिन भंसाली ने साफ कर दिया कि यह पूरी तरह से नई कहानी है। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा- 'आप कभी शोले या मदर इंडिया को दोबारा नहीं बना सकते, तो फिर संगम क्यों?' उनके इस बयान से साफ हो गया कि 'लव एंड वॉर' दर्शकों के लिए एक बिल्कुल नया अनुभव लेकर आएगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website : aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com